केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

# दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406
भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 228 शनिवार 9 मार्च 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

## एक नजर

### बाल चेतना के लोकार्पण पर विराट कवि सम्मेलन 10 को

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। वरिष्ठ कवि एवं लोक प्रिय चाशनी के साथ ही 7 पुस्तकों के रचयिता डॉ. रामकृष्ण लाल 'जगमग' की आठवीं कृति 'बाल चेतना' का लोकार्पण आगामी 10 मार्च को सायं 6 बजे पं. अटल बिहारी बाजपेई प्रेक्षागृह में किया जायेगा। इस अवसर पर अनुराग लक्ष्य और शव्द सुमन द्वारा विराट अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया है।

यह जानकारी देते हुये आयोजक डॉ. विनोद उपाध्याय ने बताया कि 'बाल चेतना' के लोकार्पण अवसर पर आयोजित कवि सम्मेलन में डॉ. रामनरेश सिंह 'मंजुल', गीत पुरूष डा. बुद्धिनाथ मिश्र, डा. ओमपाल सिंह 'निडर', डॉ. राधेश्याम बंधु, डा. सर्वेश अस्थाना, डा. श्लेष गौतम, शशांक नीरज, श्याम त्रिवेदी पंकज, डा. अन्जना कुमार, डा. ज्ञानेन्द्र द्विवेदी 'दीपक', महेश श्रीवास्तव के साथ ही देश के अनेक ख्यातिलब्ध कवि, शायर हिस्सा लेंगे।

### आशा, संगिनी सम्मेलन 9 को

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। आल इण्डिया आशा अधिकार मंच द्वारा 9 मार्च शनिवार को दिन में 10 बजे से अमहट घाट स्थित शिव मंदिर के निकट आशा एवं संगिनी सम्मेलन का आयोजन किया गया है।

यह जानकारी देते हुये राष्ट्रीय अध्यक्ष सन्तोष पाण्डेय ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद हरीश द्विवेदी को आमंत्रित किया गया है। सम्मेलन में आशा एवं संगिनी की समस्याओं और समाधान पर विचार किया जायेगा।

### कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष ब्रजलाल खाबरी के पिता के निधन पर शोक

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष पूर्व सांसद ब्रजलाल खाबरी के पिता आशाराम चौधरी के निधन पर कांग्रेस नेताओं, कार्यकर्ताओं ने श्रद्धासुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि दिया। कांग्रेस सेवा दल के प्रदेश सचिव एवं एन.एस.यू.आई. छात्र संघ चुनाव प्रभारी नोमान अहमद ने ब्रजलाल खाबरी के पिता आशाराम चौधरी के निधन पर दु:ख व्यक्त किया। कहा कि संकट की इस घड़ी में कांग्रेसजन दु:खी परिवार के साथ हैं।

### शिवरात्रि आदि योगी सच्चे शिव को पहचानने का महापर्व

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिला आर्य उप प्रतिनिधि सभा बस्ती के तत्त्वावधान में जिले भर में महाशिवरात्रि का पर्व ऋषि बोध पर्व के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर जिले के प्रधान ओम प्रकाश आर्य ने नई बाजार में यज्ञ के दौरान बताया कि गुजरात के टंकारा ग्राम में आज के शिवरात्रि के दिन ही दशकों पूर्व एक घटना घटी, एक छोटे से बालक मूलशंकर ने भी शिव भगवान के दर्शन की उत्कंठा से पूरे दिन शिवरात्रि का व्रत धारण किया और भगवान शिव के साक्षात दर्शन की लालसा में पूरी रात भर जागता रहा, मूर्ति का दर्शन तो उसे भी हो गया लेकिन वहां मूर्ति पर एक चूहे को देखकर यह धारणा हुई की यह सच्चे भगवान शिव नहीं हो सकते ! इसी घटना ने बालक मूलशंकर को झकझोर कर रख दिया, उसे शिवरात्रि को बोध हुआ, उसके ज्ञान चक्षु खुल गए !

# मणिपुर में आर्मी ऑफिसर का अपहरण

**मणिपुर (आभा)।** मणिपुर में सेना के अधिकारी का उसके घर से अपहरण कर लिया गया है। पिछले साल मई में इस सीमावर्ती राज्य में जातीय हिंसा शुरू हुई थी जिसके बाद से यह ऐसी चौथी घटना है। एनडीटीवी की रिपोर्ट के मुताबिक, इस जवान की पहचान जूनियर कमीशंड ऑफिसर (श्रब्) कोनसम खेड़ा सिंह के तौर पर हुई है जो थौबल जिले के रहने वाले हैं। बताया जा रहा है कि सुबह 9 बजे एक वाहन में सवार होकर कुछ अज्ञात लोग आए और उनके घर से ही उन्हें अगवा कर लिया। इसकी सूचना सुरक्षा एजेंसियों को दे दी गई है और जेसीओ को लेकर तलाशी अभियान शुरू हो गया है। एक अधिकारी ने बताया, 'हम नेशनल हाईवे 102 से आने–जाने वाले सभी वाहनों की जांच कर रहे हैं। हमें नहीं पता कि उनका अपहरण क्यों किया गया है। इसके पीछे का क्या मकसद है।

रिपोर्ट के मुताबिक, अगवा किए गए जवान का पता लगाने के लिए सुरक्षा बलों की टीमें इलाके में तैनात हैं। हालांकि, जेसीओ को कहां लेकर जाया गया है, इसकी अभी तक कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। यह ऐसी चौथी घटना है।

## 69000 शिक्षक भर्ती की मांग को लेकर प्रदर्शन

लखनऊ (आभा)। शिक्षक भर्ती में चयनित सूची के अभ्यर्थियों ने नियुक्ति की मांग को लेकर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के आवास के बाहर प्रदर्शन किया और नियुक्ति की मांग की। 69000 शिक्षक भर्ती में नियुक्ति की मांग को लेकर 6800 चयनित सूची के अभ्यर्थी बीते 600 दिनों से नियुक्ति की मांग कर रहे हैं। अभ्यर्थियों का कहना है कि लगातार प्रदर्शन के बावजूद उनकी बात नहीं सुनी जा रही है।

## 100 रुपये सस्ता हुआ एलपीजी गैस सिलेंडर

**नई दिल्ली (आभा)।** पीएम नरेंद्र मोदी ने महिला दिवस पर महिलाओं को बड़ा तोहफा दिया है। घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दाम आज से 100 रुपये कम हो गए हैं। पीएम मोदी ने इसका ऐलान सोशल मीडिया एक्स पर अपने एक पोस्ट के जरिए किया है।

इससे पहले मोदी सरकार की कैबिनेट ने उज्ज्वला योजना के तहत प्रति एलपीजी सिलेंडर सब्सिडी राहत एक साल के लिए बढ़ाने को मंजूरी दी है। यह राहत प्रति सिलेंडर 300 रुपये की मिलती है। इस ऐलान से अब अन्य लाभार्थियों को आज से सिलेंडर 100 रुपये सस्ता मिलेगा।

एक्स पर लिखे पोस्ट में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा है कि महिला दिवस के अवसर पर आज हमने एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 100 रुपये की छूट का बड़ा फैसला किया है। इससे नारी शक्ति का जीवन आसान होने के साथ ही करोड़ों परिवारों का आर्थिक बोझ भी कम होगा। यह कदम पर्यावरण संरक्षण में भी मददगार बनेगा, जिससे पूरे परिवार का स्वास्थ्य भी बेहतर रहेगा।

## महिला दिवस पर महिलाओं को मिला नि:शुल्क चिकित्सा परामर्श

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शुक्रवार को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर बड़ी संख्या में सुबह से ही श्री कृष्णा मिशन हॉस्पिटल पर महिलाओं का आना शुरू हो गया। दोपहर बाद तक सैकड़ो की संख्या में महिलाओं ने अस्पताल की वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉक्टर सोमा शा गुप्ता से नि:शुल्क स्वास्थ्य संबंधी परामर्श लिया।

इसके बावत विस्तार से जानकारी देते हुए श्री कृष्णा मिशन हॉस्पिटल की चेयरमैन बसंत चौधरी ने बताया कि अस्पताल द्वारा समय–समय पर इस तरह के आयोजन किए जाते रहे है। उन्होंने कहा कि महिलाओं में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता की कमी है इसी को देखते हुए श्री कृष्णा मिशन हॉस्पिटल द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में भी नि:शुल्क स्वास्थ्य कैम्प लगाये जा रहे हैं। वही स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉक्टर सोमा शा गुप्ता ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर श्री कृष्णा मिशन हॉस्पिटल में पहुंची महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति जानकारी दी गई। कहा कि समय से इलाज होने पर महिलाओं को गंभीर समस्याओं से जूझना नहीं पड़ेगा। उन्होंने महिलाओं को स्वास्थ्य संबंधी कई टिप्स भी दिए।

## कांग्रेस की पहली सूची जारी, वायनाड सीट से चुनाव लड़ेंगे, राहुल गांधी

**नई दिल्ली (आभा)।** कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव के लिए पहली लिस्ट जारी कर दी है। राहुल गांधी वायनाड सीट से चुनाव लड़ेंगे, जबकि भूपेश बघेल को राजनांदगांव सीट से उम्मीदवार बनाया गया है।

इस लिस्ट में राहुल गांधी, भूपेश बघेल समेत 39 उम्मीदवारों के नाम हैं। राहुल गांधी केरल की वायनाड लोकसभा सीट से मैदान में उतरेंगे। यूपी की अमेठी सीट पर अभी सस्पेंस है, क्योंकि चुनाव समिति की बैठक में अभी यूपी की सीट तय नहीं हुई है। इसके अलावा, छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को छत्तीसगढ़ की राजनांदगांव सीट से उम्मीदवार बनाया गया है। कांग्रेस की पहली लिस्ट के अनुसार, छत्तीसगढ़ की कोरबा सीट से ज्योत्सना महंत, दुर्ग से राजेंद्र साहू, रायपुर से विकास उपाध्याय, महासमुंद से ताम्रध्वज साहू को उम्मीदवार बनाया गया है। इसके अलावा, कर्नाटक के बीजापुर से एचआर अलगुर, शिमोगा से गीताशिवराजकुमार, हसन से श्रेयस पटेल, तुमकुर से एसपी मुड्डहनुमेगौड़ा, बेंगलुरु रूरल से डीके सुरेश को मैदान में उतारा गया है।

# गोरखपुर में खुला प्रदेश का पहला सीबीजी प्लांट, खेत की पराली उगलेगी सोना

संवाददाता– गोरखपुर। महाशिवरात्रि पर केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने गोरखपुर के धुरियापार में प्रदेश के पहले सीबीजी प्लांट का उद्घाटन किया। कहा, कि वर्तमान में उत्तर प्रदेश में दस सीबीजी प्लांट हैं और आने वाले समय मे यूपी में सौ सीबीजी प्लांट होंगे।

केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा है कि वर्तमान में उत्तर प्रदेश में दस सीबीजी प्लांट हैं और आने वाले समय मे यूपी में सौ सीबीजी प्लांट होंगे। शुक्रवार को धुरियापार में इंडियन ऑयल के सीबीजी प्लांट के लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ने घोषणा की।

उन्होंने कहा कि सीबीजी प्लांट पर्यावरण की रक्षा, किसानों की आमदनी बढ़ाने और ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में बड़ा प्रयास है। इंडियन ऑयल की तरफ से यह प्लांट 165 करोड़ रुपये की पूंजी निवेश से स्थापित हुआ है। इस प्लांट में रोजाना 200 मीट्रिक टन कृषि अवशेष (धान का भूसा) 20 मीट्रिक टन प्रेसमड और 10 मीट्रिक टन मवेशियो के गोबर का उपयोग होगा।

बायोगैस प्लांट में प्रतिदिन लगभग 20 मीट्रिक टन बायोगैस और 125 मीट्रिक टन जैविक खाद का उत्पादन होगा। जैविक खाद से कृषि की पैदावार बढ़ाने में मदद मिलेगी केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री ने पर्यावरण संरक्षण के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा लाई गई ग्रीन हाइड्रोजन नीति पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इस सेक्टर में तेजी से निवेश होगा। उन्होंने कहा कि यूपी में उनके गोद लिए जिले सोनभद्र में भी ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट लगाने की व्यवस्था कराई जाएगी।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ऊर्जा क्षेत्र में भी अन्नदाता किसानों की बड़ी भूमिका होगी। यह सीबीजी प्लांट इसी भूमिका से जुड़ा है। उन्होंने बताया कि गैस सिलेंडर का काम देश में 2014 से 60 साल पहले शुरू हुआ था। 2014 तक 14 करोड़ गैस कनेक्शन दिए गए थे जो पीएम मोदी के मार्गदर्शन में अब 32 करोड़ हो गए हैं। 2016 में शुरू उज्ज्वला योजना से 10 करोड़ महिलाओं को निशुल्क गैस कनेक्शन दिए गए हैं उनमें 8 करोड़ ग्रामीण महिलाएं हैं।

केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सराहना करते हुए कहा कि योगी जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। इससे देश को पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने में यूपी का बड़ा योगदान होने जा रहा है। केंद्र सरकार की योजनाओं का सबसे तीव्र क्रियान्वयन योगी जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में हो रहा है।

## विशाल दंगल में पहलवानों ने दिखाये कुश्ती के दांव, सांसद हरीश द्विवेदी ने बढाया हौसला

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। टाटा मोटर्स कामर्शियल वाहनों के बस्ती मंडल के विक्रेता, एस पी आटोव्हील्स, द्वारा बाबा जगेश्वर नाथ शिव मंदिर, तिलकपुर में शुक्रवार को श्री शिव मंदिर तिलकपुर के प्रांगण में अखिल भारतीय कुश्ती महादंगल का आयोजन किया गया। दंगल में उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश के अलावा राजस्थान, पंजाब के महिला व पुरूष 60 से अधिक पहलवान आये और 30 कुश्तियां हुई।

क्षेत्रीय पहलवानों ने भी आजमाया बल, विजेता एवं उपविजेता पहलवानों को टाटा मोटर्स, एस पी आटोव्हील्स की ओर से सम्मानित किया गया। दोपहर 12 बजे से शुरू इस महादंगल का शुभारंभ लोकसभा सांसद हरीश द्विवेदी व एस पी ग्रुप के संस्थापक और संरक्षक एस पी दूबे के द्वारा जनपद के विभिन्न समाजसेवियों की उपस्थिति में महाबली हनुमानजी की पूजा अर्चना कर व खिलाडियों से हाथ मिलाकर परिचय प्राप्त कर के हुआ।

सांसद हरीश द्विवेदी नेकहा कि भारतीय खेलों में महत्वपूर्ण खेल दंगल है। कुश्ती करने से युवा शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ रहता है। कहा यह आयोजन बस्ती मंडल का सबसे बड़ा आयोजन है, इससे इस भारतीय खेल को मजबूती मिलेगी।

मेला परिसर में आयोजित इस दंगल में करीब पांच घंटे तक पहलवानों के करतब देखकर दर्शकों जमकर आनन्द लिया। गुरु गिरिवर मिश्र राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विश्व खेल संघ के संयोजन में आये पहलवानों के दंगल की प्रथम कुश्ती बृजेंद्र पहलवान, छत्तीसगढ़ केशरी व गोपी पहलवान, बनारस केशरी के बीच बराबरी पर रही। सुनील पहलवान खजनी के दिनेश पहलवान गोरखपुर के बीच रही जिसमे सुनील पहलवान विजेता रहे। तीसरी कुश्ती सन्नी पहलवान नंदनी नगर व ज्वाला पहलवान गोरखपुर पहलवान के बीच बराबरी पर रही। पांचवी कुश्ती शुभम पहलवान खजनी व्यायामशाला व रवि पहलवान आगरा के बीच हुई जिसमें शुभम पहलवान रवि पहलवान को पटकनी देकर विजयी रहे।

महिलाओं की पहली कुश्ती कल्पना कानपुर एवं अनीता मेरठ की बीच रही जो बराबरी पर रहा।

विजेता पहलवानों को संरक्षक एस पी दूबे की ओर से घोषित पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया।

दर्शकों की भारी भीड़ ने पहलवानों का खूब मनोबल बढ़ाया।

एस पी आटोव्हील्स के निदेशक अखिलेश दूबे ने बताया कि नेपाल, राजस्थान, पंजाब, राजस्थान, छत्तीसगढ़, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, नंदिनीनगर स्टेडियम, मेरठ, बनारस,देवरिया, महराजगंज, अयोध्या जी, गोरखपुर स्टेडियम, खजनी सहित कई राज्यों से आये पहलवानों व अतिथियों का माला पहनाकर स्वागत किया। कुश्ती के मुकाबले को देखने के लिए सिद्धार्थनगर, सन्तकबीरनगर जिलों से भी लोग पहुंचे।

इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्र, ब्लाक प्रमुख भोला निषाद, थानाध्यक्ष कप्तानगंज संतोष कुमार, निदेशक आशीष दूबे व डॉ रोहन दूबे, नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अंकुर वर्मा, अरबन बैक के चेयरमैन ओम नारायण सिंह, प्रदीप दूबे, विनोद दूबे, सरोज मिश्र, प्रमोद पांडेय,राणा नागेश सिंह, कमलेश पांडेय, शुभम पांडेय, राणा नागेश सिंह, राजा राम तिवारी, बुद्धिसागर दूबे, राम स्वरूप सिंह, सच्चिदानंद मिश्र, राजा राम तिवारी, दुर्गेश दूबे, गिरिजेश दूबे आदि बहुत से गणमान्य जन उपस्थित रहे।

# महाशिवरात्रि पर आस्था के जल से नहा गये भोलेनाथ, निकली शिव बारात

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। महाशिव रात्रि पर्व पर गुरुवार मध्य रात्रि से ही शिवालयों पर जलाभिषेक शुरू हो गया। हर हर महादेव के उद्घोष के बीच श्रद्धालुओं ने भगवान शिव को आस्था के जल से नहला कर पूजन अर्चन किया।

गुरुवार आधी रात के बाद पूजा–अर्चना के बाद भदेश्वरनाथ मंदिर का कपाट खोला गया। इसके बाद शिव भक्तों ने जलाभिषेक शुरू कर दिए। भोर होते–होते मंदिर परिसर श्रद्धालुओं से खचाखच भर गया। कतारबद्ध होकर श्रद्धालु जलाभिषेक के लिए इंतजार करते रहे। बीच–बीच में ओम नमरू शिवाय, हर हर महादेव के गगनवेदी उद्घोष सुनाई दे रहे थे। मंदिरों में जब आस्था की भीड़ उमड़ी तो चहुंओर सिर्फ भक्ति की गूंज ही सुनाई दे रही थी। सर्वाधिक भीड़ भदेश्वनाथ धाम में दिखी। दुबौला स्थित के बाबा भारीनाथ, पुरानी बस्ती क्षेत्र के कड़र शिव मंदिर, देवरिया शिव मंदिर, तिलकपुर शिव मंदिर, बेहिलनाथ शिव मंदिर, बरवा धाम आदि शिवालयों में भोर से जलाभिषेक का दौर चलता रहा। जलाभिषेक के बाद श्रद्धालुओं ने अगरबत्ती, कपूर जलाकर पूजा–अर्चना की।

श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ी तो शिवालयों को जाने वाले प्रमुख मार्ग पर ट्रैफिक व्यवस्था फेल हो गई। मार्ग पर घंटों लंबा जाम लगा रहा। श्रद्धालु परेशान नजर आए। ट्रैफिक व्यवस्था में लगे सिपाही भी जाम हटवाने में काफी परेशान नजर आए। बाइक और चार पहिया वाहनों के अलावा साइकिल सवार जाम में फंसे रहे। पैदल यात्रियों को भी दिक्कतें हुई। बच्चों ने मेले का आनन्द लिया। दूकानों पर रौनक रही।

इसी कड़ी में महाशिवरात्रि पर्व पर शहर में शिव बरात निकाली गई। बरात में भूत–पिचास बराती बनकर नाचते–गाते हुए आगे बढ़ रहे थे। बरात में भगवान शिव व माता पार्वती की मनमोहक झांकी सजाई गई थी, जिसके देख श्रद्धालु प्रफुल्लित हुए।

पुरानी बस्ती के दक्षिण दरवाजा से मंगल बाजार, पांडेय बाजार होते हुए हनुमानगढ़ी अन्नपूर्णा रसोई स्टेशन रोड तक शिव बरात निकाली गई। घोड़े और बैंडबाजों के साथ निकली शिव बरात में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। बारात में भूत–प्रेत के वेष में लोगों के बीच भगवान शिव शंकर की सुंदर सी झांकी आकर्षण का केंद्र रही। बरात जहां से भी गुजरी, भक्तों ने हर–हर बम–बम का उदघोष किया। इस दौरान शिवजी ब्याहने चले पालकी सजा के... जैसे गीत पर भक्तों ने जमकर डांस भी किया। सैकड़ों शिव भक्त सम्मिलित हुए।

शिव बरात में युवक–युवतियां अलग–अलग वेशभूषा में दिखे। भूत पिचास जटाधारी जैसे विभिन्न रूपों में सजकर भक्त बरात में सम्मलित हुए। बारात के दौरान बाबा भोलेनाथ एवं माता पार्वती के काल्पनिक स्वरूप को देखने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। मातृशक्ति सेवा मंडल मंगल बाजार पुरानी बस्ती के अध्यक्ष राघवेंद्र मिश्र पट्टू ने बताया कि गाजे–बाजे के साथ भगवान भोलेनाथ की बरात निकली। नगर भ्रमण के बाद मंदिर परिसर में माता पार्वती और भगवान भोले का विवाह संपन्न कराया गया। बताया कि हर साल की तरह इस बार भी शिव बरात में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।

## सामूहिक रुद्राभिषेक में उमड़ी आस्था

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शुक्रवार को सनातन धर्म चेतना चेरिटबल ट्रस्ट द्वारा महाशिवरात्रि के अवसर पर सामूहिक रुद्राभिषेक का आयोजन कूप गंगा कुवानों तट स्थित बाबा सिद्धेश्वर नाथ मंदिर प्रांगण में किया गया।

संस्था के अध्यक्ष राजेश मिश्रा ने कहा कि भगवान शिव विश्व के पालन कर्ता है, साम्य सदा शिव भोले नाथ और मां पार्वती का विवाह आज के ही दिन हुआ था,और तभी से यह पर्व महा शिवरात्रि कहलाता है,जो की सनातन धर्म का आदि महापर्व है। इस दिन मन में किया गया शुभ संकल्प की पूर्ति हेतु, धन्य,धान,स्वास्थ्य,संतान की कामना से रुद्राभिषेक किया जाता है,जो की पूर्ण होती है।

लोक कल्याण के लिए किए जा रहे रुद्राभिषेक में शिव भक्तों ने सर्व प्रथम पार्थिव शिव लिंग ,और शिव परिवार का पार्थिव ललित तरीके से विग्रह निर्माण किया पुन: धूप दीप आदि से शिव अर्चन करके गुड़,कुश,पंचामृत से शिव परिवार का रुद्राभिषेक किया अयोध्या से आए हुए वेदपाठी विद्वानों ने इसे विधि विधान से सम्पन्न कराया।

इस अवसर पर राहुल मिश्र, राकेश चन्द्र श्रीवास्तव, संदीप गोयल, प्रदीप चन्द्र पाण्डेय, वीरेन्द्र गोस्वामी, विशाल पाण्डेय, जगदम्बिका पाण्डेय, महेंद्र तिवारी, महेंद्र सिंह, सौरभ कुमार बोस, राजेश चित्रगुप्त, सत्येंद्र सिंह, प्रमोद पाण्डेय, अभिषेक कुमार, अनिल सिंह, उमाशंकर गुप्ता सौरभ मिश्र एडवोकेट , विजय कुमार दूबे, विजय कान्त दूबे, पुष्पा प्रजापति आदि अनेकों शिव भक्तों ने विधिवत सामूहिक प्रार्थना करके लोक मंगल की कामना की ।

*"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स*

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 9 मार्च 2024 शनिवार

## सम्पादकीय

### लोकसभा चुनाव और पारदर्शिता के प्रश्न

एक बार फिर से देश लोकसभा चुनावों के लिए तैयार है। लोकसभा चुनावों की घोषणा अब कभी भी हो सकती है। देश में चारों तरफ लोकसभा चुनाव का माहौल बनता ही चला जा रहा है। वास्तव में यह भारतीय लोकतंत्र का सबसे महत्वपूर्ण और खासमखास उत्सव भी है। इस उत्सव में इसबार 86 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकेंगे। इनमें 47 करोड़ महिला वोटर होंगी। इस उत्सव में देश के 28 राज्य और नौ केंद्र शासित शामिल होंगे। लोकसभा चुनावों को सफलता पूर्वक करवाने की जिम्मेदारी डेढ़ करोड़ सरकारी अफसरों पर होगी। करीब सवा करोड़ मतदान केन्द्रों में जाकर मतदाता देश के 543 लोकसभा सांसदों का चुनाव करेंगे। यह सब आंकड़ें गवाह हैं कि भारत से बड़ा और व्यापक संसदीय चुनाव विश्व भर में कहीं और नहीं होता। बहरहाल, भारत में अब तक लोकसभा के 17 चुनाव हो चुके हैं। पहली लोकसभा के चुनाव 25 अक्टूबर 1951 से 21 फरवरी 1952 के बीच कराए गए थे। उस समय लोकसभा में कुल 489 सीटें थीं। लेकिन, संसदीय क्षेत्रों की संख्या 401 थी। लोकसभा की 314 संसदीय सीटें ऐसी थीं जहां से सिर्फ एक–एक प्रतिनिधि चुने जाने थे। वहीं 86 संसदीय सीटें ऐसी थी जिनमें दो–दो लोगों को सांसद चुना जाना था। वहीं नॉर्थ बंगाल संसदीय क्षेत्र से तीन सांसद चुने गए थे। किसी संसदीय क्षेत्र में एक से अधिक सदस्य चुनने की यह व्यवस्था 1957 तक जारी रही।

आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन के सामने कांग्रेस के नेतृत्व वाला आई.एन.डी.आई.ए. के नाम से कई राजनीतिक दलों का एक समूह होगा। ऐसी उम्मीद की जा रही है कि दो महत्वपूर्ण क्षेत्रीय दल,ओडिसा में बीजद और पॅजाब में अकाली दल अकेले ही चुनाव लड़ेंगे। बहरहाल, हर बार की तरह से चुनाव कराने की जिम्मेदारी रिटर्निंग अधिकारियों की होगी। हरेक संसदीय क्षेत्र के लिए एक रिटर्निंग अधिकारी नियुक्त होता है। आमतौर पर, जिला मजिस्ट्रेट (डीएम) अपने जिले के एक या एक से अधिक सॅसदीय क्षेत्रों के लिये रिटर्निंग ऑफिसर होता है! लेकिन, बहुत से ऐसे सॅसदीय क्षेत्र ऐसे भी होते हैं जो दो या तीन छोटे जिले में बॅटे होते हैं, जिनमें रिटर्निंग ऑफिसर पड़ोसी जिले से भी नियुक्त हो सकता है। फिर, चुनावों पर पर्यवेक्षकों की नजर भी रहती है। केंद्रीय सशस्त्र पुलिस के लाखों कर्मियों के साथ–साथ स्थानीय पुलिस मिलकर चुनाव की प्रक्रिया को पूरा करवाते हैं।

अगर हम इतिहास के पन्नों को खंगाले तो पाते हैं कि संविधान सभा ने नवंबर 1949 में देश चुनाव आयोग की स्थापना को अधिसूचित किया था, और अगले वर्ष मार्च में, भारतीय सिविल सेवा (आईसीएस) के अफसर श्री सुकुमार सेन को भारत का पहला मुख्य चुनाव आयुक्त नियुक्त किया गया। वे पश्चिम बंगाल के तत्कालीन मुख्य सचिव रहे थे। सुकुमार सेन की ही देखरेख में देश का पहला लोकसभा चुनाव संपन्न हुआ था। वे 21 मार्च 1950 से 19 दिसंबर 1958 तक भारत के पहले मुख्य चुनाव आयुक्त रहे। उन्होंने ही स्वतंत्र भारत के पहले दो आम चुनाव, 1951–52 और 1957 को सम्पन्न करवाया था। उन्होंने 1953 में सूडान में पहले मुख्य चुनाव आयुक्त के रूप में भी कार्य किया था। उनकी शिक्षा प्रेसीडेंसी कॉलेज, कोलकाता और लंदन विश्वविद्यालय में हुई थी। बाद में उन्हें गणित में स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। 1921 में, सेन भारतीय सिविल सेवा में शामिल हुए , और एक आईसीएस अधिकारी और न्यायाधीश के रूप में विभिन्न जिलों में कार्य किया। 1947 में, उन्हें पश्चिम बंगाल का मुख्य सचिव नियुक्त किया गया।

पहले आम चुनाव में 21 या उससे अधिक उम्र के करीब 18 करोड़ मतदाता थे पूरे देश में। इनमें से लगभग 85 प्रतिशत पढ़ या लिख नहीं सकते थे। प्रत्येक मतदाता की पहचान, नाम और पंजीकरण किया जाना था। मतदाताओं का यह पंजीकरण महज पहला कदम था। फिर, मतदान केंद्रों को उचित दूरी पर बनाया जाना था, और ईमानदार और कुशल मतदान अधिकारियों की भर्ती की जानी थी। यह सब काम सुकुमार सेन के नेतृत्व में चुनाव आयोग कर रहा था।

इस बीच, 24 फरवरी और 14 मार्च 1957 के बीच हुए दूसरे चुनाव के दौरान भी सुकुमार सेन मुख्य चुनाव आयुक्त बने रहे। लोकसभा के दूसरे चुनाव में बिहार के बेगुसराय जिले में बूथ कैप्चरिंग की पहली घटना भी देखी गई। यह भूमिहार बहुल बेल्ट थी, और इस क्षेत्र में कम्युनिस्ट पार्टी का गढ़ भी माना जाता था। हालांकि 1989 में ही श्बूथ कैप्चरिंगश शब्द को औपचारिक रूप से परिभाषित किया गया था और इसके लिए दंड भी निर्धारित किए गए थे। 1970 और 1980 के दशक तक, बूथ कैप्चरिंग उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल में काफी प्रचलित हो गई थी, हालाँकि भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) ने श्बूथ प्रबंधनश नामक एक चीज का अभ्यास किया था, जिसमें इनके कैडर के कार्यकर्ता एक लाइन में खड़े होकर मतदान करते थे।

यह मानना होगा कि पहले चुनाव आयुक्त के रूप में जिस परंपरा को सुकुमार सेन ने शुरू किया था उसे आगे लेकर जाने वाले कुशल चुनाव आयुक्तों में टी.एन.शेषन ने सबसे अग्रणी भूमिका निभाई थी। आज भी बुद्धिजीवी समाज वाले तो यही कहते हैं कि अगर टी. एन. शेषन भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त न बनते, तो देश में चुनावों के नाम पर धोखाधड़ी और धांधली का आलम जारी ही रहता। उन्होंने 1990 के दशक में चुनाव आयोग के प्रमुख पद पर रहते हुए चुनाव सुधारों को सख्ती से लागू करने का अभियान शुरु किया। देश को उनके द्वारा किए महान कार्यों की जानकारी तो होनी ही चाहिए। शेषन ने उन गुंडा तत्वों पर ऐसी चाबुक चलाई , जिसने धन और बल के सहारे सियासत करने वालों को जमीन पर उतारकर पैदल कर दिया गया था। शेषन ने अपने साथियों में यह विश्वास जगाया कि उन्हें चुनाव की सारी प्रक्रिया को ईमानदारी से अंजाम देना चाहिए। उनसे पहले के कुछ चुनाव आयुक्तों पर आरोप लगते रहते थे कि वे पूरी तरह से सरकार के इशारों पर ही चुनाव करवाते हैं। वे कभी इस बात पर जोर भी नहीं देते थे कि चुनाव तटस्थ तरीके से हो। वे सत्तासीन पार्टी के एजेंट मात्र बन कर रह जाते थे। वे कभी चुनाव सुधारों की ओर गंभीर तक नहीं रहे। एक तरह से कहें कि चुनाव आयुक्त का पद शासक वर्ग के चहेते रिटायर होने वाले किसी सचिव को तीन साल तक का पुनर्वास का कार्यक्रम बनकर रह गया था। शेषन ने एक नई परंपरा की शुरुआत की थी। उन्होंने साबित किया था कि इस सिस्टम में रहते हुए भी बहुत कुछ सकारात्मक किया जा सकता है। वे अपने दफ्तर में बैठकर काम करने वाले अफसर नहीं थे। वे चाहते थे कि चुनाव सुधार करके भारत के लोकतंत्र को मजबूत किया जाए। शेषन ने अपने लिए एक कठिन और कठोर राह को पकड़ा। उन्होंने चुनाव सुधार का ऐतिहासिक कार्य करके विश्व भर में नाम कमाया। उन्होंने देश को जगाने के उद्देश्य से 1994 से 1996 के बीच चुनाव सुधारों पर देश भर में सैंकड़ों जन सभाओं को भी संबोधित किया। अब जबकि देश आगामी लोकसभा चुनावों के लिए तैयार है तो सुकुमार सेन जी और टी.एन. शेषन साहब का स्मरण करना भी जरूरी हो गया है।

# महिलाओं को अधिकार और चुनौतियां

–मनोज सिंह–

देश ने 8 मार्च को महिला दिवस मनाकर महिलाओं के प्रति सम्मान को दर्शा रहा है इसे संयोग कहें या प्रकृति का योग आज के दिन शिवरात्रि का त्योहार भी है । आज से 60 साल पहले शिक्षित महिलाओं का प्रतिशत बहुत कम था किंतु विगत दो तीन दशकों से महिलाओं की शिक्षा दर में बहुत सुधार हुआ है हमारी बेटियों ने शिक्षा के क्षेत्र के साथ साथ अन्य सरकारी और प्राइवेट संस्थानों में अपनी लगन और कार्य कुशलता का परचम कठिन परिश्रम करके लहराया है ।

एक तरफ प्रकृति ने मानव जीवन के संरचना में अधिकांश तकलीफ महिलाओं के हिस्से में होने के बावजूद भी महिलाओं ने अपनी कार्य कुशलता से हर क्षेत्र में कंधे से कंधा मिलाकर अपनी दक्षता को दर्शाया है दूसरी तरफ पुरुष प्रधान समाज ने आज भी महिलाओं के हक पर डाका डालने से बाज आना नहीं छोड़ा है ।

सरकार ने महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए सरकारी संस्थाओं के साथ ग्राम सभा में प्रधान पद और बीडीसी जैसे महत्वपूर्ण पदों पर महिलाओं के लिए सीट आरक्षित कर रखा है ताकि हमारे समाज की महिलाओं की भागीदारी ग्रामीण स्तर के राजनीतिक चुनाव में हो लेकिन अधिकांश ग्राम सभा में महिला आरक्षण के नाम पर महिलाओं का नाम दर्ज कराकर जनमत हासिल कर लिया जाता है लेकिन उनको अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर नहीं मिल पाता, क्योंकि अधिकांश गांव में महिला प्रधानों के प्रधान प्रतिनिधि बनकर उनके ससुर, पति, और घर के बड़े लोग कहने को प्रधान प्रतिनिधि होते हैं लेकिन वह लोग उन महिलाओं के हकों पर डाका डालते हैं जो संवैधानिक रूप से चुनकर आई हैं उनको रबड़ के स्टांप की तरह प्रयोग करते हैं जबकि यदि महिलाओं को ग्राम सभाओं की तरक्की के लिए कार्य करने का अवसर दिया जाए तो निसंदेह वह हर क्षेत्र की तरह ग्राम सभा में भी अच्छा कार्य करेंगी लेकिन ऐसा होता नहीं है केवल महिला दिवस पर महिलाओं के सम्मान में कार्यक्रम जरूर आयोजित हर ब्लॉक स्तर पर होता है इस गंभीर विषय पर उदारता से चिंतन करने की जरूरत है पुरुष समाज को ग्रहणी महिलाओं के ऊपर भी घर की बहुत जिम्मेदारी होती है भोजन से लेकर घर की अन्य व्यवस्थाओं की इसके बावजूद धन्य है वह महिलाएं जो किसी गैर–सरकारी सरकारी या अन्य सरकारी संस्थानों में अपना जांब करती हैं और अपने घर की व्यवस्था भी देखती हैं पुरुष समाज जब चाहे अवकाश ले सकता है लेकिन महिलाओं के हिस्से अवकाश का भी अत्यंत अभाव होता है क्योंकि प्रतिदिन घर की व्यवस्थाओं को देखने की जिम्मेदारी उन्हीं की होती है ।

वर्तमान समय में समाज में पुरुषों का दो वर्ग है एक वर्ग महिलाओं के अधिकारों को निजी स्वार्थ में हड़पने का प्रयास करता है वहीं दूसरा पुरुष वर्ग है जो अपने बेटे की तरह, अपनी बेटियों को अच्छी से अच्छी शिक्षा देकर समाज में स्वावलंबी बनाने के लिए प्रयासरत है ऐसे पुरुष अपने परिवार का भी ध्यान रखते हैं ।

एक शिक्षित बेटी या महिला दो कुलों का मान बढ़ती है हर साल महिला दिवस पर कार्यक्रमों के आयोजन जगह–जगह होते हैं लेकिन उनके अधिकारों का हनन जहां होता है उस पर आवाज क्यों नहीं उठाती ?

10 मार्च को बिहार जन सुराज के संस्थापक ने महिला दिवस के उत्थान को लेकर पटना में अपने कार्यालय पर आयोजन किया है देखना यह दिलचस्प होगा की जो प्रशांत किशोर सबके हितों की बात करते हैं क्या वह ग्राम सभा में चुने जाने वाली महिलाओं के हितों पर भी कोई बड़ा और महत्वपूर्ण संकल्प लेंगे यह 10 मार्च को पटना में मनाया जाने वाले महिला दिवस के अवसर पर देखने को मिलेगा क्योंकि प्रशांत किशोर जी सदैव सभी के हितों की रक्षा की बात करते हैं और एक नई और स्वच्छ राजनीति करने के लिए संकल्पित नजर आते हैं

देश की आधी आबादी के हिस्से दर्द के अधिकांश पहलू हैं जिन पर सहानि भूत पूर्वक विचार करते हुए भविष्य में महिलाओं के अधिकारों की अनदेखी न हो इस पर सभी लोगों को मिलकर विचार करने की जरूरत है ।

# राजनीति में अपराधीकरण का दंश

–ललित गर्ग–

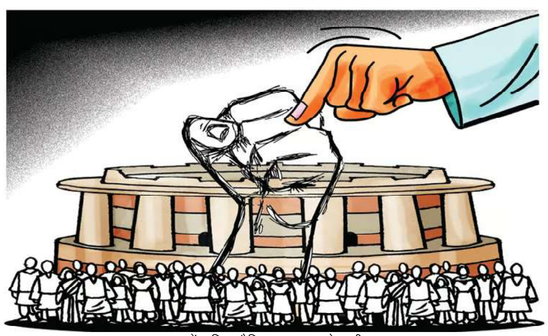

आपराधिक छवि वाले या जघन्य अपराधों में लिप्त लोगों को राजनीति दलों का संरक्षण मिलना भारतीय लोकतंत्र की बड़ी विडम्बना है। तृणमूल कांग्रेस के नेता शाहजहां शेख को संदेशखाली हिंसा, जमीन घोटाले, स्कूल घोटाले, देह व्यापार के धंधे व यौन उत्पीड़न के आरोप में आखिर सीबीआइ के सुपुर्द कर दिया गया। लोकतंत्र की दुहाई देने वाली पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार लगातार अदालती आदेशों की धज्जियां उडाती रही, ममता ने शाहजहां शेख को सीबीआइ को सुपुर्द करने के मामले में जो गैरजिम्मेदाराना एवं अलोकतांत्रिक रवैया अपनाया वह आश्चर्यजनक और चिंताजनक है। यह कैसी विवशता है राजनीतिक दलों की? अक्सर राजनीति को अपराध मुक्त करने के दावे की हकीकत ऐसे ही अवसरों पर सामने आती है। कलकत्ता उच्च न्यायालय के दुबारा आदेश के बावजूद संदेशखाली मामले के आरोपी को सीबीआइ के सुपुर्द करने में देरी होना न केवल समझ से परे है बल्कि यह लोकतंत्र एवं न्याय व्यवस्था की अवमानना है। इस पूरे प्रकरण से राजनीति समझ में आती है जो एक आरोपी को लेकर हो रही है।

लोकसभा चुनाव आने वाले हैं और राज्य में भारतीय जनता पार्टी और तृणमूल कांग्रेस शेख के मामले को एक राजनैतिक मुद्दा बनाने पर तुले हुए हैं। आज भारत की आजादी का अमृत महोत्सव की परिसम्पन्नता पर एक बड़ा प्रश्न है भारत की राजनीति को अपराध मुक्त बनाने का। यह बेवजह नहीं है कि देशभर में अपराधी तत्त्वों के राजनीति में बढ़ते दखल ने एक ऐसी समस्या खड़ी कर दी है कि शेख पर गंभीर आरोपों के बावजूद ममता सरकार उसे बचाने में लगी रही। शेख अपने इलाके संदेशखाली में महिलाओं का उत्पीड़न करता था और देह व्यापार के धंधे में भी संलग्न था। ये आरोप गंभीर हैं जिनकी गहनता से जांच होनी चाहिए। मगर हो यह रहा है कि राज्य सरकार शेख की रक्षा में नजर आ रही है और भाजपा लगातार आक्रमण कर रही है। विडम्बना यह है कि शाहजहां शेख कोई समाजसेवी न होकर वर्तमान दौर का मुनाफेबाज नेता, व्यभिचारी, हिंसा एवं अराजकता फैलाने का आरोपी है। वैसे तो ममता दीदी की सरकार में कई घोटाले हुए हैं मगर स्कूल घोटाले में शाहजहां शेख का नाम आने पर प्रवर्तन निदेशालय ने उसके खिलाफ जब जांच शुरू की तो हंगामा बरपा हो गया। प्रवर्तन निदेशालय की टीम विगत जनवरी माह के पहले सप्ताह में जब शाहजहां शेख के यहां संदेशखाली पहुंची तो स्थानीय तृणमूल कार्यकर्ताओं ने उस टीम पर हमला बोल दिया। इनमें अधिसंख्य शेख के समर्थक ही थे।

तृणमूल कांग्रेस एवं उनके नेताओं पर लगे गंभीर आरोपों के बाद एक बार फिर इस सवाल ने जोर पकड़ा है कि जो लोग राजनीति को अपराधीकरण से मुक्त बनाने की बात करते हैं, वे हर बार मौका मिलने पर अपने संकल्प एवं बेदाग राजनीति के दावों से पीछे क्यों हट जाते हैं? तृणमूल कांग्रेस में शेख जैसे नेताओं की कमी नहीं हैं। संदेशखाली से महिलाओं के यौन उत्पीड़न और जमीनों के कब्जे को लेकर आ रही खबरें डराने वाली हैं। इन खबरों में कितनी सच्चाई है, इसका फैसला तो अदालत ही करेगी। तो फिर आरोपी को बचाने के लिए पश्चिम बंगाल सरकार एड़ी–चोटी का जोर क्यों लगाती रही? यहां सवाल तृणमूल कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी का अथवा किसी अन्य दल का नहीं है। सवाल है, महिलाओं की अस्मिता से खेलने के आरोपियों को सजा दिलाने का। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री स्वयं महिला हैं और उन्होंने एक महिला के अस्तित्व एवं अस्मिता को नौंचने वाले नेता को क्यों राजनीतिक संरक्षण दिया?

आज राजनीति की दशा बदतर है कि यहां जनता के दिलों पर राज करने के लिये नेता अपराध, भ्रष्टाचार एवं चरित्रहीनता का सहारा लेते हैं। जातिवाद, प्रांतवाद, साम्प्रदायिकता को आधार बनाकर जनता को तोड़ने की कोशिशें होती है। पर हम कितना भ्रम पालते हैं। पहचान चरित्र के बिना नहीं बनती। बाकी सब अस्थायी है। चरित्र एक साधना है, तपस्या है। जिस प्रकार अहं का पेट बड़ा होता है, उसे रोज कुछ न कुछ चाहिए। उसी प्रकार राजनीतिक चरित्र को रोज संरक्षण चाहिए और यह सब दृढ़ मनोबल, साफ छवि, ईमानदारी एवं अपराध–मुक्ति से ही प्राप्त किया जा सकता है। लेकिन बड़ा सवाल है कि कब मुक्ति मिलेगी शेख जैसे अपराधी तत्वों से राष्ट्र को? राजनीति में चरित्र–नैतिकता सम्पन्न नेता ही रेस्पेक्टेबल (सम्माननीय) हो और वही एक्सेप्टेबल (स्वीकार्य) हो। राजनीतिक दलों के बीच टकराव समझ में आता है, लेकिन सरकार में बैठे लोगों से उम्मीद की जाती है कि वे कार्यकर्ताओं और अपराधियों के बीच के फासले को समझें। चंद वोटों की खातिर देश के अलग–अलग हिस्सों में अपराधियों को शह देने के नतीजे सामने आते रहे हैं। अपराधी का न कोई धर्म देखा जाना चाहिए और न ही विचारधारा। कानून को अपना काम करने देना चाहिए, तभी लोकतंत्र की सार्थकता है।

यह अजीब स्थिति है कि अक्सर साफ–सुथरी और ईमानदार सरकार देने के दावों के बीच आपराधिक छवि के लोगों को उच्च पद देने या अपने दल का नेता बनाने का सवाल उभर जाता है। सवाल है कि क्या ममता अपने ही दावों को लेकर वास्तव में गंभीर हैं? ऐसे जिम्मेदार राजनेता अपने दावों से पीछे हटेंगे तो राजनीति को कौन नैतिक संरक्षण देगा? हम ऐसे चरित्रहीन एवं अपराधी तत्वों को जिम्मेदारी के पद देकर कैसे स्वस्थ राजनीति मूल्यों को स्थापित करेंगे? कैसे आम जनता के विश्वास पर खरे उतरेंगे? इस तरह अपराधी तत्वों को महिमामंडित करने के बाद ममता के दावों एवं लम्बे संघर्षों की क्या विश्वसनीयता धूमिल नहीं हो जायेगी? केवल सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) शेख को छह साल के लिए पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा कर अपनी पार्टी की अपराध–छवि को ढक नहीं सकती।

आज जिस तरह से हमारा राष्ट्रीय जीवन और सोच विकृत हुए हैं, हमारी राजनीति स्वार्थी एवं संकीर्ण बनी है, हमारा व्यवहार झूठा हुआ है, चेहरों से ज्यादा नकाबें ओढ़ रखी हैं, उसने हमारे सभी मूल्यों को धराशायी कर दिया। राष्ट्र के करोड़ों निवासी देश के भविष्य को लेकर चिन्ता और ऊहापोह में हैं। वक्त आ गया है जब देश की संस्कृति, गौरवशाली विरासत को सुरक्षित रखने के लिए कुछ शिखर के व्यक्तियों को भागीरथी प्रयास करना होगा। दिशाशून्य हुए नेतृत्व वर्ग के सामने नया मापदण्ड रखना होगा। अगर किसी हत्या, अपहरण या अन्य संगीन अपराधों में कोई व्यक्ति आरोपी है तो उसे राजनीतिक बता कर संरक्षण देने की कोशिश या राजनीतिक लाभ उठाने की कुचेष्ठा पर विराम लगाना ही होगा। राजनीति का यह हश्र आम लोगों के लिए गौर करने काबिल हो सकता है। यदि ऐसे मुद्दे प. बंगाल में लोकसभा चुनावों के केन्द्र में रहेंगे तो इससे बड़ा मजाक बंगाली जनता के साथ दूसरा नहीं हो सकता है क्योंकि बंगाली जनता देश की आजादी के आन्दोलन से लेकर स्वतन्त्र भारत तक में राजनीति के प्रगतिशील चेहरे एवं आदर्शवादी की पहचान रही है। इस राज्य ने एक से बढ़कर एक क्रान्तिकारी व गांधीवादी दिये हैं। इन साफ–सुथरी एवं प्रेरक स्थितियों के बीच शाहजहां शेख जैसे नेताओं के कुकृत्यों एवं तृणमूल कांग्रेस की दुर्दशा पर रोया ही जा सकता है। होना तो यह चाहिए था कि जब शाहजहां शेख के खिलाफ गंभीर महिला उत्पीड़न आदि के आरोप लगे थे तो तभी राज्य पुलिस त्वरित कार्रवाई करके उसे कानून के सामने पेश करती। बेशक आरोप गलत भी हो सकते हैं मगर प्रवर्तन निदेशालय की टीम पर हमला करने के लिए लोगों को उकसाना कैसे सही ठहराया जा सकता है?

ममता सरकार और बंगाल पुलिस कुछ भी दावा करे, इसमें संदेह नहीं कि उसने आपराधिक चरित्र वाले शाहजहां शेख का बचाव करने में कोई कसर नहीं उठा रखी। जब कोई सरकार किसी कुख्यात व्यक्ति का बचाव करने में हिचक दिखाने से भी इन्कार कर दे तो भला इसे राजनीतिक निर्लज्जता के अलावा और क्या कहा जा सकता है? ममता सरकार के रवैये को देखते हुए यह अनिवार्य हो गया था कि ईडी पर हमले के साथ संदेशखाली की अन्य शर्मनाक घटनाओं के आरोपी को सख्त से सख्त सजा मिले। इस तरह की आपराधिक राजनीति को प्रश्रय देने वाले तृणमूल कांग्रेस को भी उसकी जमीन दिखा देनी चाहिए। अपराधी तत्वों को संरक्षण एवं उच्च पदों पर स्थापित करना–ये गंभीर मसले हैं, जिन पर राजनीति में गहन बहस हो, राजनीति के शुद्धिकरण का सार्थक प्रयास हो, यह नया भारत –सशक्त भारत की प्राथमिकताएं होनी ही चाहिए।

# अग्निपथ से उपजा आक्रोश

-ब्रिगे.कुलदीप सिंह काहलों (रिटा.)

जब इंसाफ की प्राप्ति के सभी प्रयास विफल हो जाएं तो पीड़ित व्यक्ति या संस्था आखिरी हथियार के तौर पर अदालतों का सहारा लेती है। वैसे तो जब राजनेताओं और कार्यपालिका ने भी अपने सिर से भार उतारने हों तो वह या तो सर्वोच्च न्यायालय तक रुख करती है या फिर टाल–मटोल वाली नीति ही अपनाती रहती है। यही कुछ वर्तमान किसान आंदोलन के दौरान देखने को मिल रहा है। किसान तथा जवान दोनों ही देश की जान और शान हैं। वैसे तो जवान किसानों से ही मुख्य रूप में पैदा होते हैं और देश की सीमाओं की रक्षा करने के उपरांत उनमें ही समा जाते हैं। इसलिए इन दोनों के बीच परस्पर संबंध ही नहीं बल्कि एक–दूसरे पर निर्भरता भी दिखाई देती है। यदि इनकी जायज मांगों और समस्याओं की ओर ध्यान न दिया गया तो देश का बहुउद्देशीय विकास तथा सुरक्षा भी प्रभावित होगी। यदि केवल अग्रिपथ योजना की बात की जाए तो वर्तमान में संसद की स्थायी कमेटी आन डिफैंस ने सैन्य वर्ग की भलाई से संबंधित पहलुओं विशेष तौर पर अग्रिवीरों के मामले में कुछ सिफारिशों वाली रिपोर्ट सरकार को सौंपी है जिसके ऊपर कार्रवाई करने की जरूरत होगी। इससे पहले कि कमेटी की सिफारिशों पर चर्चा की जाए अग्रिपथ योजना के इतिहास पर थोड़ी निगाह मारनी जरूरी है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 14 जून 2022 को तीनों सेना प्रमुखों की उपस्थिति में अचानक अग्रिपथ योजना की घोषणा कर दी। करीब 3 वर्षों से सेना, नौसेना और वायुसेना में स्थायी भर्ती खुलने के इंतजार में बैठे युवा भड़क उठे। देश के कई राज्यों के अंसतुष्ट युवाओं ने अग्रिपथ योजना के खिलाफ सड़कों पर आकर प्रदर्शन किए। योजना के अनुसार 17 से 21 वर्ष के बीच की आयु वाले 10 से 12 श्रेणी तक पास युवाओं की 30,000 प्रति माह वेतन पर 4 वर्षों के लिए अस्थायी भर्ती होनी है उनमें से केवल 25 प्रतिशत योग्य अग्रिवीर ही 15 वर्षों तक नौकरी कर सकेंगे और बाकियों की कुछ वित्तीय लाभों के साथ छंटनी कर दी जाएगी।

बाज वाली नजर – पार्लियामेंट स्टैंडिंग कमेटी ऑन डिफैंस की 31 सदस्यीय कमेटी जिनके चेयरमैन भाजपा के सांसद जुआल ओरम हैं, ने 8 फरवरी को जो रिपोर्ट सरकार को सौंपी उसमें सैनिक कल्याण से जुड़े अन्य मुद्दों के अतिरिक्त यह भी दर्ज है कि जो अग्रिवीर लाइन ऑफ ड्यूटी पर मारे जाते हैं उनके परिवारों को भी स्थायी सैनिकों के आश्रितों विधवाओं की तरह पैंशन और सहूलियतें प्रदान की जाएं। नशा प्रेरित बेरोजगार और मुसीबतों को झेलते युवकों के लिए सीमित समय के लिए रोजगार उपलब्ध करवाने की खातिर अग्रिपथ स्कीम किसी सीमा तक सहायक तो हो रही है। जून 2023 में प्रथम बैच के 18899 अग्रिवीरों के बीच में से बहुत से लोगों को विभिन्न यूनिटों में शामिल कर लिया गया है तथा दूसरे चरण की भर्ती प्रक्रिया भी जारी है। मगर 15 वर्ष की नौकरी के उपरांत भी पैंशन नहीं मिलेगी।

ई.सी.एच. (मैडीकल) तथा कैंटीन जैसी सहूलियतों से भी वंचित रखा जाएगा तथा वे सरकारी नौकरियों के लिए केंद्र और राज्य सरकारों की आरक्षण नीति का फायदा भी नहीं ले सकेंगे क्योंकि उन्हें एक्स सघ्वसमैन का दर्जा ही प्राप्त नहीं होगा। नौकरी के दौरान प्रोमोशन तथा कमिशन भी प्रभावित होगी। अग्रिवीर अमृत पाल सिंह, अजय सिंह तथा अक्षय लक्ष्मण गावड़े जम्मू–कश्मीर के उच्च पर्वतीय क्षेत्रों में अभी अपनी पलटनों में शामिल हुए ही थे कि उनकी मौत हो गई जिसने कई सवाल पैदा कर दिए हैं। पहले तो प्रशिक्षण की कमी, फिर हाई आल्टीच्यूड में तैनाती तथा अमृतपाल को सेना की ओर से आत्महत्या वाला केस घोषित करते हुए अंतिम विदायगी के समय सैरेमोनियल सम्मान न देना भी शामिल है। परिवर्तन कुदरत का नियम है। अगर परिवर्तन प्रबंधन की रूप–रेखा और सिद्धांत की अवहेलनाएं की जाएंगी तो इसका खमियाजा समस्त मानवता को भुगतना पड़ सकता है।

यदि किसी भी देश या संस्था ने विकास के मार्ग पर चलना है तो उसका उद्देश्य परिवर्तन को जनता पर जबरन थोपने से पहले प्रभावित पक्षों को भरोसे में लेकर सौहार्द वातावरण तैयार करना जरूरी है। अफसोस की बात है कि राजनीतिक नेताओं के समक्ष न तो हमारे जरनैल और न ही सियासतदान सही परामर्श सुझाते हैं और न ही हिम्मत जुटाते हैं। यह देश और सेना के हित में होगा कि अग्रिपथ और सैन्य भलाई से जुड़े पहलुओं के बारे में कमेटी की सिफारिशों को आने वाली सरकारें लागू करें। वैसे तो अग्रिवीर राजनीति का मुद्दा भी बन चुका है।

# मनरेगा श्रमिकों व समूह की महिलाओं ने मतदान की दिया प्रेरणा

संवाददाता—बलरामपुर। आगामी लोकसभा सामान्य निर्वाचन प्रक्रिया के तहत शत प्रतिशत मतदान करने के लिए संकल्प अभियान चलाया गया। मतदाताओं से अपील किया गया कि मतदान को राष्ट्रीय पर्व की तरह मनाएं। मतदाता जागरूकता अभियान को लेकर प्रतिदिन गांव—गांव विभिन्न जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। तुलसीपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत लैबुड़वा व लैबुड्डी में मतदाताओं को शत प्रतिशत मतदान करने को लेकर जागरूक करने साथ उन्हें संकल्प दिलाया गया। ग्राम पंचायत में कार्य स्थल पर जॉब कार्ड धारकों को स्लोगन के माध्यम से स्वयं मतदान करने एवं अन्य लोगों को मतदान करने के लिए प्रोत्साहित करने की शपथ दिलाई गई। ग्राम पंचायत अधिकारी श्याम लाल ने मतदाताओं को जागरुक करते हुए बताया कि सभी का सर्वप्रथम उद्देश्य है कि इस दिन सबसे पहले मतदान करेंगे फिर जलपान करेंगे। मतदान को मतदाता दिवस के रूप में मनाएंगे। 18 वर्ष पूर्ण युवक युवतियों को पहली बार मतदान करते समय उत्साहित होकर मतदान करना है। निष्पक्ष मतदान करना सभी का कर्तव्य है। मतदान करने से एक अच्छी सरकार व राष्ट्र का निर्माण होता है। अपने—अपने मतों का प्रयोग करना सभी का अधिकार है। मताधिकार का प्रयोग अवश्य करें। इस मौके ग्राम प्रधान, राम केवल यादव, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि लालपुर लैबुड्डी अखिलेश्वर वर्मा, श्याम बिहारी मिश्रा, पुन्नीलाल यादव, संतोष यादव, हेमंत पांडेय, बेचन पटवा, समूह सखी राज कुमारी देवी सहित तमाम समूह की महिलाएं व क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

# महिला दिवस पर नारी शक्ति का सम्मान

संवाददाता—गोण्डा। नारी शक्ति को समर्पित अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस शुक्रवार को जिले में कई जगहों पर मनाया गया। महाराजा देवी बख्श सिंह इंटर कॉलेज बेलसर आयोजित कार्यक्रम की मुख्य अतिथि पूर्व माध्यमिक विद्यालय अकोनी की विज्ञान शिक्षिका साधना सिंह रहीं। वहीं, मनकापुर के आईटीआई परिसर में विविध कार्यक्रम का आयोजित हुए। बेलसर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान माध्यमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष और प्रधानाचार्य अजीत सिंह ने कहा कि धरती से लेकर आसमान तक कोई ऐसा क्षेत्र नहीं है जिसमें नारी ने अपना परचम न लहराया हो। ऐसा कोई काम नहीं जो नारी न करके दिखलाया हो। बिना नारी के यह संसार अधूरा है। मुख्य अतिथि साधना सिंह ने कहा कि छात्राओं को लक्ष्य निर्धारित करके उसकी प्राप्ति के लिए कठोर परिश्रम करना चाहिए। इस दौरान साधना सिंह के साथ शिक्षिका नीलम उपाध्याय, शिखा पाठक और गायत्री विश्वकर्मा को पुष्प गुच्छ और अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। समारोह में पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. अनिल कुमार वर्मा, डॉ. पवन प्रताप सिंह, डॉ. पदम नाथ पांडेय आदि ने भी विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर राकेश कुमार शुक्ला, अनिल सिंह, कन्हैया लाल, पवन कुमार सिंह, रंजीत कुमार, अशोक कुमार आदि के साथ छात्राएं उपस्थित रहीं।

वहीं, मनकापुर के आईटीआई परिसर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि व इकाई प्रमुख अजय कुमार श्रीवास्तव व विशिष्ट अतिथि महिला कल्याण प्रकोष्ठ की अध्यक्षा डा. सुनीता रानी, सचिव मनोरमा सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम की शुरुआत की। मुख्य अतिथि ने अपने सम्बोधन में कहा कि नारी पुरुषों से श्रेष्ठ है। महिलाओं के सम्मान में केएन दूबे, उमेश चंद, जेके श्रीवास्तव ने अपने उद्गार व्यक्त किए। इस मौके पर रूबी दास,दीपका श्रीवास्तव, अनीता त्रिपाठी, डा. नरेश कुमार,अतुल कुमार पान्डेय सहित तमाम लोग मौजूद रहे। महिला थाने की पुलिसकर्मियों का सम्मानरू महिला थाने की एसओ अनीता यादव समेत अन्य कर्मियों को विभिन्न संगठनों की सदस्यों ने सम्मानित किया। इस मौके पर सविता मिश्रा, बिट्टू तिवारी, रिचा पांडे आदि मौजूद रहीं।

# दूल्हे की हरकतें देखकर रोने लगी दुल्हन, लड़की वालों ने बारातियों को दरवाजे पर ही रोका, फिर बुलाई पुलिस

संवाददाता—कुशीनगर। कुशीनगर में दूल्हे की हरकतों ने बारातियों को मुश्किल में डाल दिया। मामला पुलिस तक पहुंच गया। दरअसल तुर्कपट्टी थाना क्षेत्र के एक गांव में बिहार के पश्चिमी चंपारण से आई बारात आई थी। बारातियों का जोरदार स्वागत—सत्कार किया गया। इसके बाद शादी की रस्में शुरू हुई। सबसे पहले जयमाल के कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जयमाल के दौरान जब दुल्हन अपनी सहेलियों के साथ स्टेज पर पहुंची तो दूल्हे की हरकतें देखकर दंग रह गई। दुल्हन को कुछ आभास भी हुआ लेकिन वह चुप रही। इसके बाद दूल्हा जब जयमाल के आगे दुल्हन की तरह बढ़ा तो दुल्हन को दूल्हे के मुंह से दुर्गंध आनी शुरू हो गई। इसके बाद दुल्हन स्टेज पर रोने लगी। दुल्हन को रोता देखकर लड़की वालों ने तुरंत पुलिस बुला ली।

साथ ही बारातियों को दरवाजे पर ही रोक दिया। शादी में पहुंची पुलिस ने सीधे दूल्हे को पकड़ा और थाने ले गई। बाद में बिना दुल्हन के ही बारात को वापस ले जाना पड़ा। क्षेत्र के एक गांव में बिहार प्रांत के ग्राम गौरीपुर जनपद पश्चिम चम्पारण से बारात आई थी। द्वारपूजा के बाद जयमाला के समय दूल्हे के स्टेज पर आने के थोड़ी देर बाद ही दुल्हन भी अपनी सहेलियों के साथ पहुंची। एक—दूसरे के गले में डालने के लिए दोनों को जयमाल दी गई। इस दौरान दूल्हे का व्यवहार कुछ अलग दिखा, जिसका आभास दुल्हन को हो गया। थोड़े नजदीक होने पर दूल्हे के मुंह से निकल रही शराब की गंध से उसका शक पुख्ता हो गया। इसके बाद वरमाला डालने से इनकार करते हुए वह स्टेज पर ही रोने लगी। इस बात की जानकारी वधू के पिता व परिवार को होते ही सभी लोग आक्रोशित हो उठे और बारातियों को दरवाजे पर ही रोक लिया गया। इसके बाद शादी संपन्न कराने के लिए देर रात तक मान—मनौव्वल चलती रही। इस बीच वधू पक्ष द्वारा अन्य बारातियों को रात में ही छोड़ दिया गया लेकिन दूल्हे सहित उसके परिवार के लोगों को बंधक बना लिया गया। इसके बाद लड़की पक्ष के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस दूल्हे को थाने लेकर चली आयी। करीब दो बजे वर पक्ष की ओर से वधू पक्ष को खर्च हुई रकम लौटाई गई। इसके बाद दूल्हा व उसके परिजन वापस घर लौटे।

# जिले में हर हर महादेव के जयकारों से गूंजे शिवालय

संवाददाता—बलरामपुर। जिले में महाशिवरात्रि पर्व धूमधाम से मनाया गया। स्थानीय झारखंडी मंदिर पर शहर व ग्रामीण क्षेत्रों से आए शिवभक्तों का तांता भोर से ही लगा रहा। शिवभक्तों ने झारखंडी मंदिर में शिवलिंग पर जलाभिषेक कर अपनी मनोकामना पूर्ण होने की प्रार्थना भोले से किया। मंदिर परिसर में शिवभक्तों के जनसैलाब को देखते हुए पुलिस प्रशासन सतर्क रहा। सभी भक्तों को क्रमबद्ध लाइन लगाकर शांतिपूर्ण ढंग से दर्शन व जलाभिषेक करने दिया। मंदिर में ओम नमरू शिवाय, हर हर महादेव के जयकारों की गूंज बनी रही। श्रद्धालु रुद्राभिषेक व महामृत्युंजय का जाप कराते नजर आए। ग्रामीण क्षेत्रों में भी दिन भर शिव मंदिरों हर—हर बम—बम की गूंज सुनाई पड़ती रही। कई स्थानों पर लगे मेले का बच्चों ने खूब आनंद उठाया। महाशिवरात्रि पर्व को लेकर महिलाओं में भारी उत्साह देखने को मिला। पुरुषों की अपेक्षा महिलाओं संख्या मंदिरों में अधिक रही। पुलिस प्रशासन की ओर से झारखंडी मंदिर प्रांगण में दो लाइन लगवाए गए। जिससे महिलाओं को किसी प्रकार की कोई समस्या न हो। मंदिर से लेकर सरोवर तक सैकड़ों लोग जलाभिषेक के लिए लाइन लगाकर अपनी बारी का इंतजार करते दिखे। महिलाओं ने मंदिर के पवित्र कुएं पर भी पुष्प व जलाभिषेक किया। पूरा दिन शहर से लेकर ग्रामीण अंचल के श्रद्धालुओं का तांता शिव मंदिरों में लगा रहा। महाशिवरात्रि पर्व पर पंडित बजरंगी प्रसाद शास्त्री ने कहा कि इस दिन भोले शिव को जलाभिषेक करने पर मनुष्य के सभी पाप धुल जाते हैं। जलाभिषेक व रुद्राभिषेक से मनुष्य का विचार सात्विक हो जाता है। इसी तरह तराई क्षेत्र के जंगली नाथ, शिवनाथ, मोहनदास बाबा आदि शिव मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। मंदिर में ओम नमरू शिवाय, हर हर महादेव के जयकारों की गूंज बनी रही। सभी श्रद्धालुओं ने स्थानीय शिव मंदिरों पर जलाभिषेक कर भगवान भोले से मनोकामना पूर्ण होने की प्रार्थना की। साथ ही श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन मुस्तैद रहा। वहीं गैसड़ी के शिवगढ़ धाम मंदिर में भोर चार बजे से ही श्रद्धालुओं का जन सैलाब जलाभिषेक के लिए उमड़ पड़ा। सभी श्रद्धालुओं ने कतारबद्ध होकर भोलेनाथ को जलाभिषेक कर पूजन अर्चन किया। पुरुषों की अपेक्षा जलाभिषेक करने में महिलाओं की संख्या अधिक देखने को मिली। छोट बच्चों में महाशिवरात्रि पर्व को लेकर खास उत्साह देखने को मिला। श्रद्धालुओं ने शिवगढ़ धाम में भोलेनाथ को जलाभिषेक कर सुख समृद्धि की कामना की। उतरौला के दुःखहरण नाथ मंदिर के शिवालय में भगवान शंकर के शिवलिंग को मनमोहक ढंग से सजाया गया है। यहां दूरदराज के श्रद्धालु शुक्रवार भोर से ही कतार में खड़े होकर जलाभिषेक करने का इन्तजार करते रहे।

# एसएसबी कैम्प में मनाया गया अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस

संवाददाता—श्रावस्ती। 62वीं वाहिनी एसएसबी मुख्यालय में भिनगा में शुक्रवार को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। इस मौके पर प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। साथ ही अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाए जाने के उद्देश्य पर विस्तार से चर्चा की गई। 62वीं वाहिनी कमांडेन्ट की पत्नी सीमा राजेश्वरी की अध्यक्षता में अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जिसमें सीमा राजेश्वरी ने पहले सभी संदीक्षा सदस्यों व एसएसबी महिला बल की महिलाओं का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि महिलाओं की हिस्सेदारी को बढ़ावा देने और उनके अधिकारों के बारे में जागरूक करने के उद्देश्य से सन 1975 से प्रतिवर्ष आठ मार्च को अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है। महिला दुनिया की आधी आबादी का हिस्सा है और समाज की प्रगति में जितना बड़ा योगदान पुरुषों का है उतना ही महिलाओं का भी है। लेकिन फिर भी तमाम जगहों पर आज भी महिलाओं को पुरुषों के समान अवसर और सम्मान नहीं मिल पाता है। बराबरी के हक के लिए उन्हें कई मोर्चों पर लड़ना पड़ता है। इस दौरान संदीक्षा सम्मलेन भी किया गया जिसकी अध्यक्षता कर रही गुलिस्तां सामुदायिक विकास समिति श्रावस्ती की प्रमुख गुलशन जहां की ओर से जेंडर सेंसिटाईजेशन विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें महिलाओं को समानता का अधिकार, सम्मान एवं लिंग भेद को समाप्त करने आदि के बारें में बताया गया। इस मौके पर सहायक कमान्डेंट डॉ कल्पना महादेव पाटील, अनुराधा, मुख्य आरक्षी अनीता, आरक्षी ममता बंजारा, आरक्षी रानू सूर्यवंशी आदि मौजूद रहीं।

# सड़क हादसों में एक की मौत, दो युवक घायल

संवाददाता—श्रावस्ती। दो सड़क अलग अलग सड़क हादसों में एक युवक की मौत हो गई जबकि दो युवक गंभीररूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने के साथ ही दोनों घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया। जहां से एक को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। मल्हीपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत लक्ष्मणपुर कोठी के मजरा गद्दीपुरवा निवासी गुलाम (27) पुत्र जमशेर उर्फ झब्बू गुरुवार देर रात को बाइक से गद्दीपुरवा से बीरगंज कस्बे में स्थित अपने दूसरे घर पर आ रहा था। इस दौरान जमुनहा बहराइच मार्ग पर स्थित अनुपमा पेट्रोल के पास साइन बोर्ड तिराहे पर अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में गुलाम की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। इसी तरह चमारनपुरवा गांव के पास दो बाइकों में आमने सामने की टक्कर हो गई। जिसमें एक बाइक चालक हरदत्तनगर गिरन्ट थाना क्षेत्र के महदेवा सलारपुर निवासी राजू पुत्र रफीक व दूसरा बाइक सवार बहराइच जनपद के नवाबगंज थाना क्षेत्र स्थित मजगवां गांव निवासी विक्रम पुत्र सहजराम गंभीररूप से घायल हो गए। लोगों की सूचना पर पहुंचे डायल 108 एम्बुलेंस की मदद से दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मल्हीपुर में भर्ती कराया गया। जहां हालत गंभीर देखते हुए विक्रम को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल भिनगा रेफर कर दिया गया।

# पत्नी से गुस्साए नशेड़ी पति ने सात माह की बेटी को पटक कर मार डाला

संवाददाता—कुशीनगर। खड्डा थाना क्षेत्र के ग्राम रामपुरगोनहा के जंगल टोला में गुरुवार की रात खाना बनाने को लेकर पति पत्नी के बीच विवाद हुआ। इस दौरान नशेड़ी पति ने अपनी सात माह की मासूम बेटी को पटकर मार डाला। पुलिस मौके पर पहुंच गयी। मगर तब तक आरोपी फरार हो गया था। एएसपी उत्तरी रितेश सिंह ने घटना स्थल का निरीक्षण करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजवा दिया। महिला के बयान के आधार पर पुलिस फरार आरोपी की खोजबीन में जुट गयी है। खड्डा क्षेत्र के ग्राम रामपुरगोनहा के जंगल टोला निवासी विवेक मुसहर ने लगभग दो वर्ष पूर्व गांव की ही नीतू से लव—मैरिज शादी की है। उसकी एक सात माह की बच्ची निशा थी। गुरुवार की रात विवेक शराब के नशे में घर पहुंचा। पत्नी नीतू से खाना बनाने को कहा। नीतू रो रही पुत्री निशा को सुलाने के प्रयास में थी। बेटी के सो जाने के बाद ही खाना बनाने की बात कही। पत्नी का आरोप है कि जो पति इसी बात पर भड़क गया। बच्ची को उसकी गोदी से खींचकर जमीन पर पटक दिया। जिससे निशा की मौत हो गयी।यह देख पत्नी नीतू चिल्लाने लगी तो नशेड़ी पति पकड़े जाने के भय से फरार हो गया। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि अवनींद्र गुप्ता ने इसकी सूचना पुलिस को दी। रात में ही इंस्पेक्टर नीरज कुमार राय मयफोर्स मौके पर पहुंच गये। इसकी सूचना पुलिस कप्तान को दी।जिस पुलिस अधीक्षक धवल जायसवाल ने एएसपी रितेश कुमार सिंह को मौके पर भेजा। एएसपी के मौके पर पहुंचने के बाद पुलिस ने उनकी मौजूदगी में मृतका निशा का बयान दर्ज करते हुए शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मासूम पुत्री निशा की याद में मां नीतू का रोकर बुरा हाल है।

# क्षेत्र व ग्राम पंचायतों में 21.50 करोड़ से होगा विकास, प्रस्ताव पारित

संवाददाता—महराजगंज। क्षेत्र पंचायत घुघली के सभागार में क्षेत्र व ग्राम पंचायत की बैठक में आगामी बजट वर्ष 2024—25 के लिए 21 करोड़ 50 लाख 690 रुपये के विकास कार्य को स्वीकृति दी गई। ब्लाक प्रमुख रीना जायसवाल की अध्यक्षता में शुरू हुई क्षेत्र पंचायत की बैठक में बीडीओ अमरनाथ पांडेय ने आगामी वर्ष का एजेंडा सुनाया। कार्यक्रम का संचालन एडीओ समाज कल्याण श्यामसुंदर त्रिपाठी ने किया। लक्ष्मीपुर महन्थ के बीडीसी सुरेंद्र सिंह ने कहा कि सबसे पहले निंदा प्रस्ताव के माध्यम से जिलाधिकारी को अवगत कराया जाए कि जब भी क्षेत्र पंचायत की बैठक होती है तो जिले सहित अन्य अधिकारी बैठक में भाग नहीं लेते हैं। जिला पंचायत सदस्य त्रिभुवन वर्मा, इस्तेखार उर्फ टुनटुन, प्रभु नाथ यादव आदि ने समर्थन किया। कहा कि इस सदन ने जो अधिकारी प्रतिभाग नही करते हैं तो उन पर उच्चाधिकारी कार्रवाई करें। जिससे आगामी बैठकों में सभी अधिकारी प्रतिभाग को बाध्य हों। बीडीओ अमरनाथ पांडेय ने निःशुल्क वोरिंग कार्यक्रम, पेंशन योजना, आवासीय योजना, मनरेगा योजना, पेयजल योजना, पन्द्रहवां वित्त, राज्य वित्त व आजीविका ग्रामीण मिशन अन्य प्रस्ताव अध्यक्ष की अनुमति से पारित किया गया है। प्रमुख रीता जायसवाल ने ग्राम प्रधानों व क्षेत्र पंचायत सदस्य व जिला पंचायत सदस्यों के धन्यवाद ज्ञापित किया। इस मौके पर प्रमुख प्रतिनिधि ओमप्रकाश जायसवाल, प्रधान संघ के मंडल अध्यक्ष विजय कुमार मिश्रा, बैजनाथ गुप्ता, प्रधान रवि पांडेय, चतुर्भुजा सिंह, नागेश्वर मिश्रा, एडीओ पंचायत नजीर अहमद, एपीओ मनरेगा उत्कर्ष कुमार, बृजेन्द्र पांडेय, मुख्य सेविका विनीत वर्मा, इंदुमती राय, बाल्केश्वर सिंह, मार्कण्डेय पटेल, सुनील गुप्ता, काशी चौधरी, विजय कुमार आदि मौजूद रहे।

# जिला अस्पताल में दो दिन से ठप है सीटी स्कैन जांच, सांसत में मरीज

संवाददाता—महराजगंज। जिला अस्पताल में सीटी स्कैन कक्ष की बैट्री ब्रस्ट होने से दो दिन से जांच ठप चल रही है। इससे मरीजों की सांसत हो गई है। बीमारी से गंभीर मरीजों को प्राइवेट में शुल्क देकर सिटी स्कैन जांच करानी पड़ रही है। हालांकि, अस्पताल प्रशासन ने बैट्री दूसरी लगाने के लिए कार्यदायी संस्था को फोन के अलावा पत्र भी भेजा है। लेकिन कार्यदायी संस्था ने अब तक बैट्री नहीं बदला है। 100 बेड वाले जिला अस्पताल में हर रोज करीब एक हजार मरीज इलाज के लिए पहुंचते हैं। इनमें करीब 30 से लेकर 40 मरीजों को सीटी स्कैन जांच की जरूरत होती है। डॉक्टर की सलाह पर मरीज अस्पताल में निरुशुल्क सीटी स्कैन कराते हैं। मंगलवार को सीटी स्कैन में लगी उच्च क्षमता की बैट्री ब्रस्ट हो गई। इससे सीटी स्कैन मशीन व कंप्यूटर कक्ष की बिजली गुल हो गई। बिजली सप्लाई नहीं मिलने से सीटी स्कैन जांच ठप हो गई। अस्पताल प्रशासन ने इसकी सूचना

तत्काल कार्यदायी संस्था को दे दी। लेकिन अब तक बैट्री बदली नहीं गई। दो दिन से ठप चल रहे सीटी स्कैन जांच से मरीजों संग तीमारदारों की सांसत हो गई है। गुरुवार को सिटी स्कैन कराने पहुंचे तीमारदार रमेश, कन्हैया और कुसमावती का कहना था कि मरीज के सिर में चोट लगी है। चोट के चलते मरीज कुछ समय के लिए बेहोश गया था। कान से खून भी निकला था। डॉक्टर ने सिटी स्कैन जांच कराने की सलाह दी है। दो दिन से सीटी स्कैन कराने के लिए अस्पताल का चक्कर लगा रहे हैं। काउंटर पर तैनात कर्मचारी बैट्री ब्रस्ट होने की बात कर रहे हैं। शुक्रवार को बाहर सिटी स्कैन कराकर डॉक्टर को रिपोर्ट दिखाना पड़ेगा।

डॉ. एपी भार्गव, सीएमएस ने कहा कि सिटी स्कैन की जांच के लिए अलग कार्यदायी संस्था है। कार्यदायी संस्था को बैट्री ब्रस्ट और सिटी स्कैन जांच बंद होने की सूचना तत्काल दे दी गई है। रिमांडर भी भेज दिया गया है। कार्यदायी संस्था ने शुक्रवार को बैट्री बदलने की बात की है।

# हर हर महादेव के जयकारों से गूंजते रहे शिवालय

संवाददाता—श्रावस्ती। महाशिवरात्रि के पावन पर सभी मंदिरों व शिवालयों में शुक्रवार की भोर से ही श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। सुबह से ही भक्तों की भीड़ बढ़ती गई और शाम तक जलाभिषेक का दौर जारी रहा। सोहेलवा जंगल में स्थित विभूतिनाथ मंदिर में करीब तीन लाख शिवभक्तों ने देर शाम तक जलाभिषेक किया।

महाशिवरात्रि के अवसर पर शुक्रवार सुबह शिव का नाम लेकर शिव भक्तों का रेला शिवालयों की ओर उमड़ पड़ा। लाखों भक्त सुबह स्नान कर जल लेकर भगवान भोलेनाथ के शरण में पहुंच गए और कतारबद्ध होकर शिव का जलाभिषेक किया। इस दौरान सभी मंदिर व शिवालय भगवान भोलनाथ के जयघोष से गुंजायमान हो उठे। सिरसिया इलाके के पूर्वी सोहेलवा जंगल में स्थित पांडव काली विभूतिनाथ मंदिर में शिवभोले को जलाभिषेक करने के लिए भक्तों का तांता लगा रहा। यहां गुरुवार शाम से ही भक्तों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। रात दो बजे से ही मंदिर पहुंचे शिवभक्त स्नान कर मंदिर से कुछ दूर स्थित शिवकुंड व पार्वती कुंड से जल भरकर कतार में लग गए। सुबह चार बजे मंदिर का कपाट खुलते ही जलाभिषेक का सिलसिला शुरू हो गया। भक्तों ने घंटो लाइन में लगकर अक्षत, बेलपत्र, शहद, दूध, भांग, धतूरा आदि से भगवान शिव का जलाभिषेक कर सुख शांति की अरज लगाई। सुबह चार बजे से शुरू हुआ जलाभिषेक का दौर शाम तक जारी रहा। यहां नेपाल से भी भारी संख्या में शिवभक्त पहुंचे और जलाभिषेक किया। इस दौरान मंदिर परिसर में कड़ी सुरक्षा रही और पुलिस टीमें तैनात रही। इसी तरह से सिरसिया बाजार स्थित नागेश्वर नाथ शिव मंदिर, चिल्हरिया स्थित प्राचीन शिव मंदिर, भिनगा स्थित काली मंदिर, इकौना स्थित बड़ा शिवाला, बेचूबाबा मंदिर, श्रावस्ती स्थित बनीनाथ मंदिर, गिलौला स्थित झारखंडी और सदाशिव मंदिर समेत सभी मंदिरों में पहुंच कर भक्तों की ओर से भगवान भोलेनाथ के जलाभिषेक किया गया।

महाशिवरात्रि पर श्रद्धालुओं ने सुबह से व्रत उपवास रखा। शाम को विधिवत पूजन किया। इसके साथ ही रात में रतजगा करके भजन कीर्तन करके भगवान शिव और मां पार्वती का विवाहोत्सव मनाया।

सिरसिया में स्थित काली मंदिर सेवा समिति की ओर से अखण्ड परमधाम डगमरा से भगवान शिव जी की बारात निकाली गई। गाजे बाजे के साथ निकली शिव बारात में सैकड़ों की संख्या में शिवभक्त शामिल हुए। बारात में शामिल भक्त रथ के पीछे अबीर, गुलाल उड़ाते हुए भक्ति गीतों पर झूमते रहे। भोले शिव के बारात में आगे बालिकाएं व महिलाएं कतारबद्ध तरीके से कलश यात्रा भव्य लेकर चल रही थी। बारात मुराउनपुरवा, बालापुर चौराहा, दुर्गा मंदिर होते हुए हनुमान मन्दिर चौराहा पहुंची। जहां शिव बारातियों की ओर से जमकर आतिशबाजी की गई। इसके बाद शिव की बारात पुरानी बाजार स्थित काली माता मंदिर पहुंची जहां पार्वती पक्ष के लोगों ने बारातियों का स्वागत किया। प्रांगण में भोले शिव व माता पार्वती के वैवाहिक वर माला कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस दौरान भक्तों की ओर से जयकारों के साथ पुष्प वर्षा की गई। वैवाहिक कार्यक्रम के बाद बारात रामलीला मैदान होते हुए निराला नगर पहुंची। फिर बारात वापस बाबा नागेश्वर नाथ प्राचीन शिव मन्दिर के पहुंची। नगर भ्रमण के दौरान श्रद्धालुओं की ओर से जगह जगह पुष्प वर्षा कर थाल में सजे दीप से भोले शिव की आरती उतारी गई और बारातियों का स्वागत किया गया। इस मौके पर समिति अध्यक्ष जमुना प्रसाद, सुनील सिंह, पिन्टू सिंह, हनुमान सोनी, अयोध्या प्रसाद सोनी, शेष नारायण द्विवेदी, ओंकार नाथ शुक्ला, हरिशिव सोनी, सुरेन्द्र गुप्ता आदि मौजूद रहे।

# दो मार्ग दुर्घटनाओं में एक की मौत, बीओ होमगार्ड समेत चार घायल

संवाददाता—बलरामपुर। तुलसीपुर व ललिया थाना क्षेत्र में शुक्रवार को दो मार्ग दुर्घटनाएं हुई हैं। पहली दुर्घटना में दो मोटर साइकिलें आमने—सामने टकराई हैं। जिसमें एक युवक की मौत हुई है, जबकि होमगार्ड के ब्लाक आर्गनाइजर समेत तीन लोग घायल हुए हैं। दूसरी दुर्घटना में नेपाल जा रहे दो बाइक समेत ट्रक के नीचे घुस गए। जिसमें एक युवक घायल हुआ है। दुर्घटना में मारे गए युवक का शव कोतवाली नगर पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

पहली दुर्घटना शुक्रवार सुबह लगभग दस बजे ललिया थाना क्षेत्र अन्तर्गत लौकहवा गांव के निकट हुई है। मधनगर जोखवा थाना सिरसिया जिला श्रावस्ती निवासी प्रवीन (18) पुत्र स्व. राम कुमार, राजेश (22) पुत्र लक्ष्मण प्रसाद व संतोष (15) पुत्र पूजा राम गुरुवार को निमंत्रण पत्र बांटने बलरामपुर आए थे। प्रवीन के पटीदारी में शादी है। प्रवीन दोस्तों के साथ गुरुवार रात थाना देहात अन्तर्गत कोडरी गांव निवासी अपने फूफा के घर रुक गया था। सुबह नास्ता के बाद तीनों बाइक से मधनगर के लिए रवाना हुए। दूसरी ओर सिविल लाइन निवासी होमगार्ड ब्लाक आर्गनाइजर शक्ति मिश्रा (30) पुत्र महेन्द्र कुमार शिवपुरा से जवानों को परेड कराकर घर लौट रहे थे। शक्ति मिश्रा मूलतरू शालपुर बाजार पड़री गोण्डा के निवासी हैं। वह यहां हरैया व तुलसीपुर में बीओ होमगार्ड के पद पर तैनात हैं। लौकहवा गांव के निकट शक्ति व प्रवीन की बाइक आमने—सामने टकरा गई। सभी मोटरसाइकिल सवार सड़क पर गिर गए। ग्रामीणों की मदद से एंबुलेंस बुलाकर घायलों को मेमोरियल चिकित्सालय भेजा गया। प्रवीन की इलाज के दौरान अस्पताल में मौत हो गई। शक्ति के हाथ, पैर व कूल्हे की हड्डी टूट गई है। उन्हें गोण्डा रेफर किया गया है। संतोष व राजेश के अंदरूनी चोटें आई हैं। चिकित्सक ने बताया कि संतोष व राजेश को खतरे से बाहर नहीं कहा जा सकता।

दूसरी दुर्घटना तुलसीपुर तहसील भवन के सामने शुक्रवार सुबह दस बजे हुई है। गौरा थाना क्षेत्र के देवलहा मिश्रौलिया निवासी 24 वर्षीय उपेन्द्र सिंह पुत्र साहेब सिंह व 32 वर्षीय राहुल सिंह बाइक से नेपाल स्थित बाबा प्रभुनाथ मंदिर का दर्शन करने जा रहे थे। तहसील भवन के सामने गन्ना भरा ट्रक चीनी मिल की ओर जा रहा था। राहुल बाइक चला रहे थे। ब्रेक लगाने के बावजूद बाइक ट्रक के नीचे घुस गई। बाइक चालक राहुल को खरोच तक नहीं आई, जबकि उपेन्द्र के पैर की हड्डी टूट गई। उन्हें सीएचसी ले जाया गया, जहां से इलाज के लिए जिला मेमोरियल अस्पताल भेजा गया।

बीओ होमगार्ड शक्ति मिश्रा हेलमेट लगाए थे, इसलिए उनकी जान बच गई। शक्ति के मुताबिक टक्कर इतनी तेज भी कि वह हवा में उछलकर सिर के बल सड़क पर गिरे थे। हेलमेट न लगाए होते तो सिर चकनाचूर हो जाता। उनके हाथ, पैर व कूल्हे की हड्डी टूटी है। दुर्घटना की सूचना मिलने पर शक्ति के तमाम शुभचिंतकों व होमगार्ड जवानों ने अस्पताल पहुंचकर उनका हाल चाल पूछा। कोड़री निवासिनी केश नंदनी बताती हैं कि उन्होंने अपने भतीजे प्रवीन को गुरुवार रात घर पर रोक लिया था। रात अधिक हो गई थी इसलिए उसे वापस नहीं भेजा। उसके पिता राम कुमार बचपन में ही चल बसे थे। केश नंदनी शुक्रवार सुबह सभी को भोजन करने के लिए रोक रही थी, लेकिन प्रवीन नहीं माना। सभी ने नाश्ता किया और घर के लिए निकल पड़े। केश नंदनी कहती हैं कि यदि सभी भोजन के लिए रुक जाते तो शायद प्रवीन की जान बच जाती।

# हर हर महादेव से गूंजे शिवालय

संवाददाता—देवरिया। महाशिवरात्रि पर शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्र तक के शिवालयों में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। हर—हर महादेव के जयघोष से शिवालय गूंजते रहे। दूसरी काशी के नाम से मशहूर रुद्रपुर के दुग्धेश्वर नाथ मंदिर में सुबह 10 बजे तक एक लाख से अधिक लोग जलाभिषेक कर चुके थे।यहां भारी भीड़ को देखते हुए बड़ी संख्या में पुलिस लगाई गई है। भटनी क्षेत्र के बनकटा तिवारी स्थित जंगली नाथ मंदिर पर भी भारी भीड़ लगी हुई है। यहां भव्य मेले का भी आयोजन हुआ है। शहर के सोमनाथ मंदिर में भोर से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। भारी भीड़ के चलते मंदिर से लेकर सोमनाथ अर्बन पीएचसी तक कतार लगी रही। बम बम भोले की गुनी सुनाई दे रही। सभी हाथ में अक्षत दूध फूल और जल लेकर भगवान को अर्पित करने के लिए खड़े दिखे। इधर गर्भगृह मंदिर समिति के स्वयंसेवक श्रद्धालुओं को दर्शन की सुविधा देने में जुटे रहे। चारों तरफ बस शिव ही शिव का जाप ध्यान सुनाई देता रहा। पुजारी भोला गिरी ने बताया कि अब तक हजारों लोगों ने भगवान का जलाभिषेक किया है। सोमनाथ मंदिर के बाहर फूल, मिट्टी के बर्तन और खाने पीने की चीजों की दुकानें सजी रहीं। जगह जगह से आये दुकानदार अपनी दुकानें सजाये रहे। पूजन सामग्री में भगवान शिव को प्रिय भांग, धतूर, फूल, अगरबत्ती, कपूर, मदार का पत्ता के साथ अन्य चीजें की खूब मांग रही। मिट्टी के बर्तन की दुकानों पर जरुरत की चीजों के अलावा बच्चों के खेलने के सामान भी बिके। खासतौर से गुल्लक, टोईयां, किचन सेट आदि की मांग रही।

# मोदी की गारंटी छपे कैरी बैग की पहली खेप पहुंची

संवाददाता—गोण्डा।अनाज योजना को लेकर मोदी की गारंटी छपे करीब ढाई लाख कैरी बैग की पहली खेप शुक्रवार को जिले में पहुंची। यह कैरी बैग बीते फरवरी में ही आने थे लेकिन काफी लेटलतीफी होने से इसके वितरण में अब किसी जनप्रतिनिधियों को इंतजार नहीं किया जाएगा। दिलचस्प है कि कोटे की दुकानों से अनाजों का वितरण हर माह की 15 तारीख से होता है। इस बीच में कहीं आदर्श आचार संहिता न लागू हो जाए इसे बिना अनाज के ही सीधे लाभार्थियों को बांट दिया जा रहा है। डीएसओ कृष्ण गोपाल पांडेय का कहना है कि जिले में कैरी बैग बीते फरवरी में आना था, कई बार पत्राचार के बाद पहली खेप मिली है। उन्होंने बताया कि लोकसभा चुनाव की आदर्श आचार संहिता लागू होने से पहले कैरी बैग सीधे लाभार्थियों के हाथों में पहुंच जाए, इसे बांटने के लिए जन प्रतिनिधियों का इंतजार नहीं किया जा रहा है। शुक्रवार को उन्होंने पचास हजार बैग बांटने के दावे किए।

# शिवरात्रि पर्व पर श्रद्धालुओं ने हर-हर महादेव के जयकारे के साथ किया जलाभिषेक

**संवाददाता-संतकबीरनगर।** जिले में शिवरात्रि पर्व के अवसर पर शुक्रवार को श्रद्धालुओं ने शिवालयों में जलाभिषेक कर पूजन-अर्चन किया। मंदिरों में हर-हर महादेव के जयकारे से जयकारे से गूंजते रहे। सबसे अधिक भीड़ महाभारत कालीन तामेश्वरनाथ मंदिर में हुई। यहां देर रात से ही पूजन अभिषेक शुरू हो गया। वहीं जिले के अन्य शिव मंदिरों में भी भोर से अभिषेक का सिलसिला शुरू हो गया। खलीलाबाद के शिव मंदिरों में जलाभिषेक के लिए लोगों की भीड़ लगी रही। लोगों ने रुद्राभिषेक का भी आयोजन किया गया। निराजल व्रत रख महिलाओं ने अपने सुहाग के दीर्घायु, परिवार की कुशलता की कामना की। कुंवारी कन्याओं सुंदर वर प्राप्त करने की कामना से व्रत रखा। शाम के समय भी पूजन किया।

तामेश्वरनाथ मंदिर पर गुरुवार की रात होते ही श्रद्धालुओं की भीड़ आने लगी। यहां पर गैर जिलों से भी बसों व अन्य साधनों से लोग जलाभिषेक के लिए पहुंचने लगे। तामेश्वरनाथ सरोवर में स्नान करने के बाद जलाभिषेक के लिए कतार में लगने लगे। मंदिर परिसर हर हर महादेव, बम भोले के जयकारों से गूंजने लगा। मध्य रात्रि के बाद पूजन अर्चन के बाद अभिषेक के लिए मंदिर के द्वार खोल दिए गए। उसके बाद श्रद्धालुओं का रेला उमड़ पड़ा। भोर होने के साथ ही भीड़ बढ़ती गई। सुबह दस बजे तक लगभग पचास हजार से अधिक लोगों के दर्शन करने का अनुमान लगाया गया। अभिषेक करने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ का सिलसिला दोपहर बाद तक जारी रहा। वहीं जिले के अन्य मंदिरों में भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। खलीलाबाद के लक्ष्मीनारायण मंदिर, जूनियर हाईस्कूल के पास शिवमंदिर, हाइडिल कालोनी, तितौवा शिव मंदिर, मड़या काली मंदिर में सुबह से श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। शाम के समय व्रत रखने वाली महिलाओं व कन्याओं ने मंदिरों में पहुंचकर शिव पार्वती का पूजन अर्चन किया। वहीं पौली क्षेत्र के मन्दिर बाबा कंकड़ेश्वर नाथ, मोहम्मदपुर में बाबा कुबेर नाथ, परसहर में रामेश्वरनाथ, पचरा में झारखंडेश्वर नाथ मन्दिर में श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। धनघटा के दानीनाथ, हैंसर के हशेश्वरनाथ, बैजूनाथ धाम, बखिरा स्थित बाबा भंगेश्वर नाथ, बेलहर क्षेत्र के राजघाट मन्दिर, कैथवलियां, बहेरा माफी, मदरहा, सेहुआनाथ, डिगेश्वर नाथ, मेंहदावल के कुबेरनाथ धाम, सांड़े खुर्द गांव में स्थित प्राचीन रक्षानाथ मंदिर में भोर से ही लोगों की कतार लगी रही।

# मालगाड़ी से कोयला उतार रही पोकलैंड मशीन बनी आग का गोला, स्टेशन पर मची भगदड़

**संवाददाता-अयोध्या।** रामनगरी अयोध्या के निकट सरयू नदी के बगल एक बड़ा हादसा टल गया। कटरा रेलवे पर ट्रक पर कोयला लोड कर रही पोकलैंड मशीन में शार्ट-सर्किट से अचानक आग लग गई। देखते ही देखते पोकलैंड का अग्रभाग धू-धूकर जलने लगा। हादसे के चलते स्टेशन पर अफरातफरी मच गई। स्टेशन पर रेलवे कर्मचारियों और काम कर रहे मजदूरों की होशियारी के चलते आनन-फानन आग पर काबू पा लिया गया। शुक्रवार सुबह करीब दस बजे स्टेशन पर कोयला लदी मालगाड़ी गाड़ी खड़ी थी जिससे मजदूर कोयला उतार रहे थे। पोकलैंड मशीन कोयला ट्रक पर लोड कर रही थी कि अचानक शार्ट-सर्किट से पोकलैंड मशीन में आग लग गई और धू-धूकर जलने लगी। मशीन के चालक जितेंद्र ने कूदकर अपनी जान बचाई।

पोकलैंड मशीन में आग की लपटों को देख कर स्टेशन पर अफरातफरी का माहौल उत्पन्न हो गया। स्टेशन के कर्मचारियों तथा कोयला उतार रहे मजदूरों ने आग पर काबू पाने के जुट गए और मिट्टी डाल कर किसी तरह आग पर काबू पाया लेकिन तब तक पोकलैंड मशीन का अग्रभाग पूरी तरह से जल चुका था। गनीमत रही कि समय रहते आग पर काबू पा लिया गया। मालगाड़ी के डिब्बे अथवा कोयले के ढेर में आग फैलने से बड़ा हादसा हो सकता था।

# सीएम योगी ने गोरखनाथ मंदिर में किया रुद्राभिषेक, महादेव से की लोकमंगल की कामना

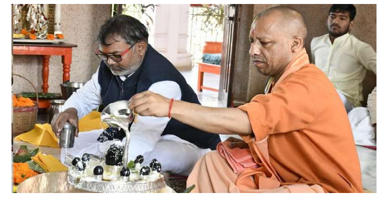

**संवाददाता-गोरखपुर।** देवाधिदेव महादेव भोले शंकर की उपासना के पावन पर्व महाशिवरात्रि पर मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने भरोहिया के पितेश्वरनाथशिव मंदिर में जलाभिषेक तथा गोरखनाथ मंदिर के शक्तिपीठ में भगवान शिव का रुद्राभिषेक कर प्रदेशवासियों के आरोग्यमय, सुखमय, समृद्धमय व शांतिमय जीवन की मंगलकामना की। इसके पहले गोरखनाथ मठ के प्रथम तल पर स्थित शक्ति मंदिर में सीएम योगी ने देवाधिदेव महादेव को विल्व पत्र, कमल पुष्प आदि अर्पित करने कर बाद रुद्राभिषेक किया। सीएम योगी शुक्रवार को सुबह लखनऊ से पीपीगंज के भरोहिया स्थित पितेश्वरनाथ शिव मंदिर पहुंचे। यहां बाबा पितेश्वरनाथ का दर्शन, पूजन व विधि विधान से जलाभिषेक कर सम्पूर्ण मानव जाति के कल्याण, सुख-समृद्धि एवं शांति की प्रार्थना की। पांडवकालीन मान्यता वाले पितेश्वरनाथ मंदिर का गोरक्षपीठ से गहरा नाता है।

गोरक्षपीठाधीश्वर हर महाशिवरात्रि यहां जलाभिषेक करने आते हैं। जलाभिषेक करने के बाद मुख्यमंत्री ने भरोहिया में शिव मंदिर के सामने स्थित गुरु गोरखनाथ विद्यापीठ के परिसर में स्थानीय जनप्रतिनिधियों और लोगों से मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना। बच्चों का प्यार से माथा सहला कर आशीर्वाद दिया। कुछ लोगों से हंसी ठिठोली भी की। स्थानीय स्तर पर विकास से जुड़े कुछ मामलों पर उन्होंने अधिकारियों को हिदायत दी कि विकास में कोई बाधा नहीं आनी चाहिए। भरोहिया में मुख्यमंत्री के आगमन पर विधायक फतेह बहादुर सिंह, भरोहिया के ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि संजय सिंह, जंगल कौड़िया के ब्लॉक प्रमुख बृजेश यादव, गोरख सिंह समेत कई लोग मौजूद रहे। इसके बाद भरोहिया से गोरखनाथ मंदिर पहुंचने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सबसे पहले गुरु गोरखनाथ का दर्शन-पूजन किया। अपने गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधि स्थल पर शीश झुकाकर उन्हें नमन किया। तत्पश्चात गोरखनाथ मंदिर परिसर में मठ के प्रथम तल पर स्थित शक्ति मंदिर में उन्होंने भगवान भोले शंकर का दुग्धा, दही, घी, मधु और शर्करा से पंच स्नान तथा गो दुग्ध और गन्ने के रस से रुद्राभिषेक किया। मठ के पुरोहित एवं वेदपाठी ब्राह्मणों ने शुक्ल यजुर्वेद संहिता के रुद्राष्टाध्यायी के महामंत्रों द्वारा रुद्राभिषेक का अनुष्ठान पूर्ण कराया। रुद्राभिषेक के बाद मुख्यमंत्री ने हवन तथा आरती कर चराचर जगत के कल्याण हेतु महादेव शिव से प्रार्थना की

# गोली मारने के बाद प्रेमी ने प्रेमिका को पहुंचाया अस्पताल

**संवाददाता-संतकबीरनगर।** संतकबीरनगर जिले के धनघटा थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी इंटरमीडिएट की छात्रा को उसके प्रेमी युवक ने गुरुवार को देर रात गोली मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। इसके बाद स्वतरू उसे अस्पताल पहुंचाया। गोरखपुर के एक निजी अस्पताल में छात्रा का इलाज चल रहा है। मामले में पुलिस को कोई तहरीर नहीं मिली है। मुकदमा दर्ज नहीं है। धनघटा के एक कोचिंग सेंटर से गुरुवार को देर शाम पढ़ाई करने के बाद साइकिल से 17 वर्षीय एक छात्रा अपने घर लौट रही थी। बंडा बाजार के पास एक युवक आया और उससे थोड़ी देर बातचीत करने के बाद उसे अपने साथ लेकर चला गया। बताया जाता है कि देर रात उसने छात्रा को गोली मार दी। जिससे छात्रा गंभीर रूप से घायल हो गई। सिरफिरे युवक ने घायल छात्रा को अस्पताल पहुंचाया। घटना की जानकारी परिवार के लोगों को हुई तो परिवार के लोग भी अस्पताल पर पहुंचे। परिजनों के पहुंचने पर आरोपी भाग निकला। पेट में गोली लगने से घायल छात्रा का इलाज गोरखपुर के किसी निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। इस संबंध में पूछने पर सीओ केशवनाथ ने बताया घटना संज्ञान में आई। मामले में जानकारी की जा रही है। पता चला है कि घायल का इलाज गोरखपुर के किसी प्राइवेट अस्पताल में चल रहा है। मामले में और जानकारी जुटाई जा रही है। घटना के संबंध में कोई तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलने पर मुदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

# खोराबार टाउनशिप क्षेत्र में अभी नहीं चलेगा बुलडोजर

**संवाददाता-गोरखपुर।** खोराबार टाउनिशप एवं मेडिसिटी परियोजना क्षेत्र में गोरखपुर विकास प्राधिकरण लोकसभा चुनाव तक अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई नहीं करेगा। यह आश्वासन प्राधिकरण उपाध्यक्ष आनंद वर्द्धन ने जंगल सिंकरी एवं खोराबार मकान बचाओ संघर्ष समिति के पदाधिकारियों को मुलाकात के दौरान दिया। आश्वास्त किया कि प्राधिकरण अपने वादे के मुताबिक प्राधिकरण क्षेत्र में घनी आबादी में छोड़ी गई जमीनों एवं मकानों के मालिकाना हक देने की प्रक्रिया पर भी काम कर रहा है। जंगल सिंकरी एवं खोराबार मकान बचाओ संघर्ष समिति के अध्यक्ष विजय नारायण मिश्र की अगुवाई में राजमंगल राय, कमलेश राय, विमलेश त्रिपाठी, पूनम सिंह, सुधीर मिश्र, विकास पांडेय, जयप्रकाश मिश्र, फूलवदन दूबे, कृष्णा शर्मा, जन्मेजय जायसवाल, वीपी सिंह, दयाराम, मनोज सिंह, राकेश शर्मा, राजेश्वर शर्मा, संतोष त्रिपाठी, मृत्युंजय मालवीय, राम प्रकाश तिवारी, वेद प्रकाश राय, संतोष मिश्र, आलोक शर्मा, दीनानाथ, धर्मेंद्र शर्मा, रामदुलारे , दिग्विजय सिंह, वेद प्रकाश राय, संतोष समेत अन्य लोग प्राधिकरण उपाध्यक्ष से मिलने जीडीए पहुंचे थे। प्राधिकरण उपाध्यक्ष आनंद वर्द्धन एवं सचिव उदय प्रताप सिंह से मुलाकात के दौरान उन्हें आश्वास्त किया गया कि वे परेशान न हो। मालिकाना हक के लिए जल्द ही प्राधिकरण बोर्ड की बैठक में प्रस्ताव रख कर निर्णय लिया जाएगा। श्वास्त किया कि मुआवजे में बढ़ोतरी के लिए भी लारा कोर्ट में मामला चल रहा है, उम्मीद है कि जल्द निर्णय आएगा। ऐसे में खोराबार टाउनशिप एवं मेडिसिटी परियोजना में चल रहे विकास कार्यो में कोई बाधा उत्पन्न न करें। प्राधिकरण उपाध्यक्ष ने कहा कि जहां तक बुलडोचर चलने की बाद है, फिलहाल अभी अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया संचालित नहीं की जाएगी।

## मेंहदावल डिवीजन के सेमरडाड़ी में बनेगा नया बिजली सब स्टेशन

**संवाददाता-संतकबीरनगर।** बिजली विभाग अपने उपभोक्ताओं को बेहतर बिजली देने के लिए अनेक तरह के प्रयास कर रहा है। मेंहदावल डिवीजन की आपूर्ति व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए क्षेत्र के सेमरडांड़ी गांव में पांच करोड़ की लागत से एक नया बिजली घर बनाया जाएगा। विभाग ने इस सब स्टेशन को बनाने के लिए शासन को प्राक्कलन भेज दिया है। शासन से जल्द अनुमति मिलने की संभावना है। जिले में कुल 2 लाख 50 हजार बिजली उपभोक्ता हैं। इन लोगों को मेंहदावल व खलीलाबाद डीविजन से बिजली की आपूर्ति की जाती है। इसमें करीब 1 लाख 40 हजार उपभोक्ता खलीलाबाद डिवीजन व 1 लाख 10 हजार उपभोक्ता मेंहदावल डिवीजन में हैं। जिले में खलीलाबाद के अलावा सेमरियावां ब्लाक के दुल्हीपार में 220-220 केवीए का बिजली घर बना हुआ है। यहीं से अन्य क्षेत्रों में बने छोटे सब स्टेशनों को बिजली दी जाती है। इन स्टेशनों से क्षेत्रवार कनेक्शनधारकों को बिजली दी जाती है। लेकिन आए दिनों ग्रामीण क्षेत्रों में विशेषकर लो बोल्टेज की समस्या आती रहती है।

# होली तक चलेगा व्यापक छापेमारी अभियान

**संवाददाता-संतकबीरनगर।** संतकबीरनगर जिले में रंगों के त्योहार होली पर्व पर खाद्य एवं औषधि विभाग अभियान चला कर छापेमारी करेंगे। गांव से लेकर शहर तक की दुकानों पर छापेमारी की जाएगी। जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर ने खाद्य एवं औषिध विभाग को टीमों को गठन कर कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।

होली पर्व पर पकवान में खासकर गुझिया बनाई जाती है। इसमें खोवा का प्रयोग किया जाता है। यही कारण है कि होली पर्व आते ही खोया की बिक्री तेज हो जाती है। डिमांड भी खूब होती है। त्योहार के दौरान समूचा बाजार खोवा से पट जाता है। मिलावटी खोया पर निगरानी रखने के लिए खाद्य एवं औषधि विभाग को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

जिले में खोवा हवाला कारोबार के माध्यम से आता है। अधिकतर खोवा आगरा, कानपुर और हापुड़ की मंडी से मंगाया जाता है। इसमें खोवा के स्थान पर शकरकंद और कागज की लुगदी की मिलावट की जाती है। खोवा खराब न हो, इसके लिए उसमें कुछ केमिकल की मिलावट कर दी जाती है। यहां के व्यापारी वहां के कारोबारियों के खाते में रुपया डाल देते हैं और वहां से सरकारी बसों या अन्य माध्यम से मिलावाटी खोवा भेज दिया जाता है। जिले की सीमा में दाखिल होते ही बस ड्राइवर और कंडक्टर से संपर्क कर व्यापारी मिलावटी खोवा उतार लेते हैं। इस प्रकार जिले में बड़े पैमाने पर खोवा मंगाया जाता है। इन्हीं मलावटी खोवा की बिक्री रोकने के लिए खाद्य एवं औषधि विभाग को निर्देश दिए गए हैं।

जिला अभिहित अधिकारी जेपी तिवारी ने बताया कि त्योहार पर मिलावटी खोवा की बिक्री रोकने के लिए गांव से लेकर शहर तक की बाजारों में व्यापक स्तर पर अभियान संचालित किया जाएगा। उद्दंड कारोबारियों पर लगाम लगाने के लिए प्रशासन और पुलिस विभाग का भी सहयोग लिया जाएगा। त्योहार पर केवल खोवा पर ही अभियान का संचालन नहीं किया जाएगा। अपितु दूसरे खाद्य पदर्थों की बिक्री का भी नमूना सील किया जाएगा।

# गन्ना पर्ची के लिए दर-दर भटक रहे किसान

**संवाददाता-बस्ती।** बभनान चीनी मिल का पेराई सत्र चालू हुए करीब साढ़े तीन माह का समय पूरा होने वाला है। किसान अब भी पेड़ी गन्ना बेचने के लिए परेशान हैं। तेज धूप व पछुआ हवा के कारण तापमान में वृद्धि होने से पेड़ी गन्ना के सूखने की आशंका बढ़ गई है। किसान को चिंता सताने लगी है कि यदि पर्ची आने में ज्यादा समय लगा तो उन्हें नुकसान उठाना पड़ेगा। गन्ना समित बभनान के सचिव उपेंद्र सिंह का कहना है कि जिनके खेतों में बेसिक कोटा से अधिक गन्ना खड़ा है, उसका सर्वे हो रहा है। पर्ची दसवें पक्ष से निर्गत करना शुरू कर दिया जाएगा।

` गन्ना समिति पर आए किसानों में सकदरपुर गांव के किसान रामपाल मिश्र ने बताया कि उनके पास मौजूदा पेराई सत्र में 10 बीघा में गन्ने की फसल थी। बेसिक कोटा कम होने के चलते इनका कोटा महज 13 ट्रिपल का ही बना है। जबकि रकबे के हिसाब से पर्ची नहीं मिल रही है। छह बीघा गन्ना खड़ा है। बेलहरी गांव के परदेशी उर्फ जंजाली ने बताया कि गन्ना सट्टा कल तीन गाड़ी का बना था जिसमें दो पर्ची मिल चुकी है। सिर्फ एक पर्ची ही बची हुई है। जबकि खेत में अभी गन्ना कई गाड़ी बचा हुआ है। सेहरिया गांव के बनारसी ने बताया कि कुल 9 गाड़ी का कोटा बना था जिसमें अभी दो पर्ची मिली है ओवरलोड में तीन पर्ची काट ली गई है जबकि अभी भी पेड़ी व पौधा मिलकर 10 गाड़ी गन्ना खेत में खड़ा हुआ है। यही हाल सांगवा गांव के राजाराम का है उन्होंने बताया कि पांच गाड़ी का कोटा बना था जिसमें से तीन मिल गई है कैलेंडर में अब एक भी पर्ची नहीं बची हुई है जब तक सर्वे की पर्ची नहीं मिलेगी तब तक उनके खेत में गन्ना खड़ा रहेगा। डेगरहा गांव के रामबाहाल यादव ने बताया कि कल 11 गाड़ी का कोटा बना था जिसमें दो पर्ची मात्रा मिली है 6 पर्ची ओवरलोड में काट दी गई है सत्ता पर 85 परसेंट बढ़ोतरी के लिए आवेदन किया गया है लेकिन अभी भी पर्ची नहीं मिली है ऐसे में खेत में गन्ना खड़ा है ।पर अभी तक एक भी पर्ची निर्गत नहीं हुई।

बभनान के सीडीआई उपेंद्र सिंह ने कहा कि गन्ना सट्टा नीति के तहत ही पर्ची का निर्धारण किया जाता है ।फरवरी महीने में समिति द्वारा रीसर्वे कराया जाता है जिससे यदि किसानों के खेतों में बेसिक कोटा से अधिक गन्ना है तो उसकी पर्ची भी निर्गत हो सके ।मौजूदा समय में सर्वे का कार्य चालू है जिन किसानों के खेतों में बेसिक कोटा से अधिक गन्ना खड़ा है। वह किसान प्रार्थना पत्र देकर अपने गन्ना का सर्वे कर ले । जिससे उनके खड़े गन्ने की पर्ची निर्गत किया जा सके। रीसर्वे की पर्ची दसवें पक्ष से निर्गत की जाएगी।

# हर-हर महादेव के जयकारे से गूंज उठे शिवालय

**संवाददाता-गोरखपुर।** शिवरात्रि महापर्व के अवसर पर शुक्रवार को शहर के सभी शिवालयों में हर हर महादेव के जय घोष गूंज रहे हैं। प्रमुख शिवालय के बाहर बाबा भोलेनाथ को जलाभिषेक और रुद्राभिषेक करने के लिए भोर से ही लम्बी लाइन लगी रही। लोग धतूरा,बेलपत्र, बेर, रसभरी आदि चढ़ाकर भगवान शिव को प्रसन्न करने में जुटे रहे। वहीं कुछ भक्त अपने राशिफल के अनुसार भगवान भोलेनाथ को दूध, जल, गन्ने का रस, जल में गुड़, चंदन, रोली मिलकर जलाभिषेक किया। भगवान शिव का यह महापर्व बड़े ही श्रद्धा उल्लास के साथ पूरे जिले में मनाया जा रहा है। शिव मंदिरों को फूलों एवं रँगाई पुताई कर सजाया गया था। बाबा के दर्शन में भक्तों को कोई दिक्कत ना हो इसके लिए मंदिर में स्वयंसेवक एवं पुलिस के जवान जुटे रहे मंदिरों में लगी बैरिकेडिंग के सहारे महिला व पुरुष बाबा का दर्शन किया। महादेव झारखंडी मंदिर, मुक्तेश्वर नाथ मंदिर, मानसरोवर मंदिर, बगहा बाबा मंदिर, सुराजकुंड मंदिर, बाबा मुंजेश्वरनाथ नाथ शिव मंदिर, भरवलिया मंदिर, बेतियाहाता व पंचमुखी हनुमान मंदिर आदि में श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही।

# एमएमएमयूटीः सुबह 'अभ्युदय' कार्यक्रम का आगाज, ईडीएम नाइट से संगीतभरी रही रात-छात्र-छात्राओं ने जमकर की मस्ती

**संवाददाता-गोरखपुर।** मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (एमएमएमयूटी) में कला, साहित्यिक एवं सांस्कृतिक महोत्सव 'अभ्युदय-24' का बृहस्पतिवार को शुभारंभ हो गया। कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने तीन दिवसीय इस समारोह का शुभारंभ किया। पहले दिन रागा, मेल-जोल, गूंज, रैडर जोन, छोटे उस्ताद, हाउस ऑफ कॉमंस, क्विज, आर्काइविंग इमोशंस, फेस पेंटिंग, ग्लिटरिंग हैंड और ओपेन माइक का आयोजन किया गया। इसमें छात्र-छात्राओं ने प्रतिभा से खूब वाहवाही बटोरी। उद्घाटन अवसर पर कुलपति प्रो. सैनी ने कहा कि ऐसे आयोजन छात्रों के व्यक्तित्व और कौशल को विकसित करने में सहायक होते हैं। इससे प्रबंधन कौशल और नेतृत्व क्षमता का विकास होता है। पढ़ाई-लिखाई का उद्देश्य केवल विषय का ज्ञान नहीं होता, बल्कि छात्रों में जीवन जीने का कौशल विकसित करना भी होता है। इसी उद्देश्य से विश्वविद्यालय द्वारा छात्रों को संगीत, नृत्य आदि की पेशेवर शिक्षा देने के लिए पदों का सृजन किया गया है। कार्यक्रम की शुरुआत 'छोटे उस्ताद' से हुई। इसमें नृत्य, गायन, पेंटिंग आदि में बच्चों ने कौशल दिखाया। ओपेन माइक में अंकित विश्वकर्मा, देवांश त्रिपाठी तथा पीयूष मदान ने उम्दा प्रदर्शन किया। नृत्य प्रतियोगिता में भी प्रतिभागियों ने समा बांध दिया। दोपहर में हाउस ऑफ कॉमंस का अंतिम दौर आयोजित किया गया, जिसमें विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। क्विज में सामान्य ज्ञान, विज्ञान, खेलकूद, सामान्य योग्यता से प्रश्न पूछे गए। आर्काइविंग इमोशंस कार्ड मेकिंग प्रतियोगिता में भी कई प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

इसी क्रम में लाइवली फेसेट का आयोजन किया गया। इसमें चेहरों की चित्रकारी शामिल रही। प्रतिभागियों ने विभिन्न तरीकों से चेहरों को रंग कर रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। ओपेन माइक में प्रतियोगियों ने स्वरचित कविता सुनाकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। निर्णायक मंडल में अनूप सिंह, दिलीप सिंह, शिवम श्रीवास्तव और आर्यन पांडेय मौजूद रहे। डॉ. हरीश चंद्र ने अतिथियों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया।

एडिटोरियल बोर्ड के संकाय प्रभारी डॉ. अभिजीत मिश्र ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस दौरान छात्र क्रिया-कलाप परिषद के चेयरमैन प्रो. बीके पांडेय, उपाध्यक्ष डॉ. राजन मिश्र, प्रायोजक जीडी गोयनका की प्रतिनिधि संचिता श्रीवास्तव व अर्चना आदि ने भी संबोधित किया। रात्रि का मुख्य आकर्षण 'हरमोसा' रहा। उजाला फैलाने के इस उत्सव ने आयोजन स्थल पर चार चांद लगा दिए। इसके बाद डीजे बैंड स्टाइल्स ने ईडीएम नाइट में खूब धमाल मचाया। बैंड की धुन पर छात्र-छात्राएं थिरकते दिखे। उत्साह के माहौल में सभी ने इसका लुत्फ उठाया। देर रात तक यह कार्यक्रम चलता रहा।

# ट्रक के चपेट में आने से बाइक सवार की मौत, दो घायल

**संवाददाता-गोरखपुर।** कोतवाली क्षेत्र के सिधुआपार गांव के पास ट्रक के चपेट में आने से चालक युवक की मौत हो गई जबकि उस पर बैठे दो लोग घायल हो गए। सभी को सीएचसी लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद दोनों घायलों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। गोला थाना क्षेत्र के जानीपुर गांव निवासी संतोष सोनकर अपने भतीजे पवन व भतीजी माया के साथ मोटरसाइकिल से बड़हलगंज जा रहे थे। वहां माया को किसी डॉक्टर को दिखाना था। अभी वह सिधुआपार गांव के पास पहुंचे थे कि पीछे से आ रहे ट्रक ने उन्हें चपेटे में ले लिया। घटना स्थल पर ही संतोष की मौत हो गई। जबकि भतीजे व भतीजी के पैर में गंभीर चोटें आ गईं। मृतक संतोष के दो बच्चे एक बेटा और दूसरी बेटी है। दो साल पहले ही मृतक की महाराजगंज में शिक्षक के पद पर तैनात हुई थी। मृतक की पत्नी संजू व परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

# ड़कियों ने बनाई बिजली मारने वाली बंदूक, मनचलों को सिखाएगी सबक

**संवाददाता-गोरखपुर।** गोरखपुर आईटीएम की 3 छात्राओं ने छेड़खानी करने वाले मनचलों को सबक सिखाने वाली अनोखी बंदूक तैयार की है। यह बंदूक गोलियां नहीं बल्कि 10000 वोल्ट का करंट उगलेगी। इतना ही नहीं यह बंदूक मोबाइल के वाई-फाई या ब्लूटूथ से कनेक्ट हो कर इस्तेमाल की जा सकती है। पिस्टल बनाने वाली गोरखपुर आईटीएम की ये तीनों छात्राएं अंशिका पाठक, स्मिता जायसवाल, और प्रीति रावत हैं। दरअसल महिलाओं की सुरक्षा को लेकर सरकारी स्तर पर लगातार प्रयास हो रहे हैं। लेकिन इसके बाद भी परेशानियां कम होने का नाम नहीं ले रहीं हैं। ऐसे में इन छात्राओं द्वारा बनाया गया यह इलेक्ट्रॉनिक बंदूक बहुत सहयोगी साबित होने वाला है। अंशिका पाठक ने बताया कि इंटरनेशनल महिला दिवस को देखते हुए हमने महिला सुरक्षा और आपात सेवा के लिए नारी शक्ति गन तैयार की है। अगर कोई किसी महिला के साथ परेशान करने या नुकसान पहुंचाने का प्रयास करता है तो पीड़ित महिला इस बंदूक में लगे ट्रिगर को दबाकर सामने वाले को 10 हजार वोल्ट का बिजली दे सकती है। साथ ही इस डिवाइस से जुड़े फोन के माध्यम से आपात नंबर के जरिए उनकी मदद हो जाएगी। इसके अलावा इस डिवाइस को बंदूक के अलावा किसी और रूप में भी बनाया जा सकता है। इस डिवाइस में कई अपातकालीन नंबर सेवाओं को जोड़ा जा सकता है।

अंशिका पाठक ने आगे बताया कि निर्भय नारी शक्ति डिवाइस पिस्टल को मोबाइल के वाई-फाई या ब्लूटूथ से कनेक्ट कर इस्तेमाल किया जा सकेगा। मुसीबत में महिलाएं अपनी आत्मरक्षा कर सकेंगी। पुलिस और परिवार के सदस्यों को बिना मोबाइल टच किये कॉल व लोकेशन भी भेज सकती हैं। इस निर्भय नारी शक्ति पिस्टल को कॉलेज के इनोवेशन सेल में मात्र 15 दिनों मे तैयार किया गया है। इनका कहना है कि यह इलेक्ट्रानिक बंदूक किसी भी मोबाइल फोन के चार्जर से चार्ज किया जा सकेगा। एक घंटे के चार्ज पर 5 महीने तक काम कर सकता है।

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1-4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक-**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक-**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
**अयोध्या-फैजाबाद कार्यालय-**
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या-फैजाबाद
**लखनऊ कार्यालय-**
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
**गोरखपुर कार्यालय-**
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल**bhartiyabasti@yahoo.com**
**bhartiyabasti@gmail.com**